RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण
अध्यात्म की नई उड़ान
सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

16
आप बहुत खास हैं... अपनी खूबियों को...

05
शिवलिंग के अंदर होंगे चार धाम के दर्शन

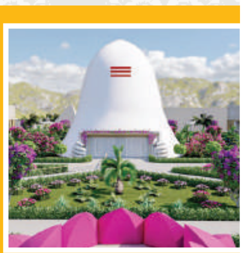

वर्ष-11, अंक-05, हिन्दी (मासिक), मई 2024, पृष्ठ 16, मूल्य: 12:50 रु.

ब्रह्माकुमारीज़ राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

सभी 20 प्रभागों के प्रतिनिधियों ने सेवाओं की रिपोर्ट प्रस्तुत की

52 हजार कार्यक्रम

साढ़े तीन करोड़ लोगों के साथ ब्रह्माकुमारीज़ ने बनाया नया कीर्तिमान

वर्ष 2024-25 में आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वच्छ और स्वस्थ समाज थीम पर होंगे कार्यक्रम

आबू रोड, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में आठ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। इसमें देश-विदेश से दो हजार से अधिक वरिष्ठ ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने भाग लिया। विशेष रूप से सभी प्रभागों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय संयोजक, मुख्यालय संयोजक के साथ रिट्रीट सेंटर के निदेशक शामिल हुए।

बैठक में सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि वर्ष 2024-25 में सभी रिट्रीट सेंटर, सेवाकेंद्र, उपसेवाकेंद्रों पर '**आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वच्छ और स्वस्थ समाज**' थीम पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 60 सूत्रीय एजेंडे को लेकर सामाजिक सेवाओं को गति देने के लिए भी रूपरेखा बनाई गई। समापन पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें सभी वरिष्ठ बहनों का चुनरी पहनाकर सम्मान किया गया। मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी के जीवन पर बनी स्मारिका बुक का भी विमोचन किया गया।

सकारात्मक परिवर्तन का वर्ष थीम पर हुए रिकार्ड कार्यक्रम

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा वर्ष 2023-24 को **सकारात्मक परिवर्तन का वर्ष** के रूप में मनाया गया। इस थीम पर देश-विदेश में एक साल में 52 हजार से अधिक कार्यक्रम कर सेवा-साधना के अपने संकल्प को साकार कर दिखाया। साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को भारतीय पुरातन संस्कृति अध्यात्म, राजयोग मेडिटेशन और नशामुक्ति का संदेश देकर जीवन में सकारात्मकता लाने के लिए प्रेरित किया।

सेवा की इस आहुति में ब्रह्माकुमारीज़ की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के तहत संचालित सभी 20 प्रभागों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेडिकल विंग ने सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 9798 कार्यक्रम कर उदाहरण पेश किया। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय एवं मेडिकल विंग द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के तहत 7647 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान के परिणाम स्वरूप लाखों लोगों ने जीवन में सदा के लिए नशे से दूर करने का संकल्प किया।

वर्ष 2023 में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा देशभर में आयोजित कार्यक्रम

कार्यक्रम	श्रेणी	कार्यक्रम	श्रेणी	कार्यक्रम	श्रेणी
10612	अवेयरनेस सेशन	580	राजयोग कोर्स	132	मेडिटेशन रिट्रीट
9548	महोत्सव उत्सव	559	सम्मान समारोह	85	स्वच्छता कार्यक्रम
2618	मेडिटेशन सेशन	547	पर्यावरण संबंधी	74	प्रतियोगिता
7236	पब्लिक कार्यक्रम	724	अभियान	44	समर्पण समारोह
2817	समाज सेवा	457	सेमिनार	37	वेबिनार
1519	वर्षगांठ/स्मृति दिवस	507	रैली	32	रक्तदान शिविर
1319	योग साधना शिविर	473	विजिट	31	खेल आयोजन
1310	योग क्लास	431	पौधारोपण कार्यक्रम	26	यौगिक गृह वाटिका
1266	स्नेह मिलन	327	उद्घाटन समारोह	32	वाद-विवाद स्पर्धा
1047	अंतरराष्ट्रीय योग दिवस	373	वर्कशॉप	21	दर्शनीय स्थल भ्रमण
1451	सांस्कृतिक कार्यक्रम	1006	सम्मेलन	17	प्रेस कॉन्फ्रेंस
782	बच्चों के कार्यक्रम	193	स्वास्थ्य शिविर	52,594	**कुल**
3732	चित्र प्रदर्शनी	190	ट्रेनिंग प्रोग्राम		

मेडिकल विंग: सर्वे भवंतु सुखिनः के ध्येय वाक्य के साथ समाज की सेवा में समर्पित

9798 कार्यक्रम से 21 लाख लोगों को दिया संदेश

अभियान के तहत देशभर में 2095 गांव और 5159 शहरों को किया कवर

आबू रोड, राजस्थान।

मेडिकल विंग द्वारा वर्ष 2023-24 में रिकार्ड कार्यक्रम आयोजित किए गए। नशामुक्त भारत अभियान के तहत देशभर में 7647 कार्यक्रम आयोजित कर नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। अभियान के तहत उम्मीद से दोगुना कार्यक्रम आयोजित किए गए। विंग द्वारा चलाए जा रहे सभी प्रोजेक्ट के तहत कुल 9798 कार्यक्रम आयोजित किए गए। हेल्थ अवेयरनेस प्रोग्राम, वर्कशॉप, एक्जीविशन, रैली, सभा और सम्मेलन से लोगों को जागरूक किया गया।

देशभर में चलाए जा रहे अभियानों के तहत कार्यक्रम

7647 नशामुक्त भारत अभियान

500 डिवाइन मदर बेबी प्रोग्राम

452 माई इंडिया हेल्दी इंडिया

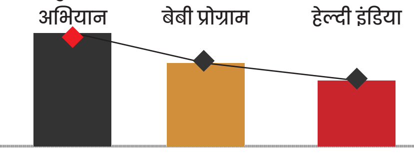

188 माई इंडिया एडिक्शन फ्री इंडिया

38 विहासा कार्यक्रम

33 रक्तदान शिविर

09 माइंड-बॉडी-मेडिसिन कॉन्फ्रेंस

05 थ्रीडी कैड प्रोग्राम

विभिन्न दिवस पर 1891 कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम	दिवस	लाभांवित
926	अंतरराष्ट्रीय योग दिवस	300241
642	वर्ल्ड टोबेको डे	100050
133	इंटरनेशनल नर्स डे	9465
69	विभिन्न दिवस पर	18751
62	वर्ल्ड हेल्थ डे	11967
34	नेशनल डॉक्टर डे	3055
25	वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे	13585
1891	कुल कार्यक्रम	457114

स्कूल-कॉलेज से लेकर मंदिर, मस्जिद में कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम	स्थान	लाभांवित
3016	पब्लिक कार्यक्रम	361363
2715	स्कूल/छात्रावास	748481
1066	ब्रह्माकुमारीज़ केंद्र/मुख्यालय	311762
753	अन्य	121167
663	कॉलेज/छात्रावास	199305
306	अस्पताल/क्लीनिक	54764
282	कार्यालय/कारखाना	39402
221	मंदिर/गुरुद्वारा/चर्च/मस्जिद	58065
220	रेलवे-मेट्रो स्टेशन/बस स्टैंड	73323
173	जेल परिसर	45581
159	निजी कंपनी	20546
100	निजी घर/निवास	6844
45	स्टेडियम/सभागार	47082
79	सामुदायिक केंद्र	22523
9798	कुल कार्यक्रम	2110208

नशामुक्त भारत अभियान: लोग नशे को कह रहे अलविदा

एक साल में 7647 कार्यक्रम 17 लाख लोगों को दिया संदेश

आबू रोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मेडिकल विंग द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी नशामुक्त भारत अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। एक साल में 24 राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेश में 7647 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इनके माध्यम से अब तक 17 लाख लोगों को नशामुक्ति का संदेश दिया गया है। वहीं 1479488 लोगों को सदा नशे से दूर रहने का संकल्प कराया गया है।

अभियान में निजी- शासकीय स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, सामाजिक संस्थाओं, इंडस्ट्रीज से लेकर सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को प्रोजेक्टर, वीडियो फिल्म, नुक्कड़ नाटक, ड्रामा के माध्यम से नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया जा रहा है।

बता दें कि अभियान के लिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के मेडिकल विंग और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता मंत्रालय के बीच एमओयू साइन किया गया है। तीन साल तक अभियान चलाया जाएगा।

2025 गांवों को किया कवर

नशामुक्त भारत अभियान के तहत अब तक देशभर के 2025 गांवों को कवर किया गया है। इन गांवों में नुक्कड़ नाटक, सभा, सम्मेलन और चौपाल लगाकर ग्रामीणों, किसान, बुजुर्ग, युवा और महिलाओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों को बताकर नशा छोड़ने का संकल्प कराया गया है।

नशामुक्ति रथ से शहरों से लेकर गांव-गांव में दे रहे संदेश...

2211 स्कूल-हॉस्टल में कराई प्रतिज्ञा...

स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को नशे से सदा दूर रहने की प्रतिज्ञा कराई। उन्हें राजयोग मेडिटेशन सीखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कई बच्चों ने दृढ़ संकल्प किया कि कभी भी नशा नहीं करेंगे।

1479488 लोगों को दिलाया नशामुक्ति का संकल्प

300 300 जिलों में चलाया जा रहा है अभियान

05 केंद्र शासित प्रदेश में भी चल रहे हैं कार्यक्रम

24 राज्यों में चलाया जा रहा है अभियान

इन राज्यों में चलाया गया अभियान

प्रदेश	कार्यक्रम	लाभांवित	प्रदेश	कार्यक्रम	लाभांवित	प्रदेश	कार्यक्रम	लाभांवित
राजस्थान	1210	277563	हिमाचल प्रदेश	406	68023	जम्मू-कश्मीर	123	19123
महाराष्ट्र	750	179573	उत्तराखंड	485	52333	असम	120	35748
बिहार	698	238206	पंजाब	501	111209	छत्तीसगढ़	101	59870
हरियाणा	924	238206	उत्तर प्रदेश	406	68023	तमिलनाडु	99	28453
मध्यप्रदेश	571	911282	दिल्ली	362	167382	आंध्र प्रदेश	90	9851
गुजरात	452	89964	ओड़िसा	274	65624	पश्चिम बंगाल	27	4183

आत्मनिर्भर किसान अभियान

24 राज्य में 4733 कार्यक्रम, 762939 किसानों को यौगिक खेती पद्धति सिखाई

कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग : हजारों भाई-बहनें सेवा में जुटे

गोकुल ग्राम परियोजना से गांवों का संपूर्ण विकास करने की परियोजना शुरू

पौधारोपण से लेकर व्यसनमुक्ति की जगा रहे अलख, हजारों किसान हुए निर्व्यसनी

सेमीनार, संगोष्ठी, महासम्मेलन, ग्राम चौपाल से किसानों को कर रहे जागरूक

762939	4733	15000
किसानों को दिया संदेश	कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित	ग्रामीण-किसानों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

32162 पौधे रोपे | 24 राज्य में चलाया अभियान

आबू रोड। किसानों की खुशहाली में ही देश और समाज की खुशहाली है। किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के हजारों ब्रह्माकुमार भाई-बहनें, पदाधिकारी पूरी लगन, मेहनत, समर्पण और कर्मठता के साथ सेवा में जुटे हैं। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2023 में 24 राज्यों में चलाए गए आत्मनिर्भर किसान अभियान के तहत 4733 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनके माध्यम से 762939 किसानों को जैविक- यौगिक खेती, नशामुक्ति और राजयोग मेडिटेशन का संदेश दिया गया। वहीं हाल ही में संस्थान के मुख्यालय से यौगिक गृह वाटिका प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इसके तहत किसानों को खेती से जुड़े नौ रोजगार के प्रकल्पों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका मकसद किसानों को आध्यात्मिकता के साथ आर्थिक रूप से संपन्न बनाना है।

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान की सहयोगी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के तहत संचालित कृषि एवं ग्राम विकास विकास प्रभाग अपनी सेवाएं से नित नए आयाम रच रहा है। प्रभाग किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। गांवों की जीवन रेखा का आधार अन्नदाता हैं। अन्नदाता की आर्थिक, शैक्षणिक, शारीरिक, मानसिक खुशहाली में ही देश की खुशहाली, तरक्की और विकास है। यदि किसान का जीवन मूल्यनिष्ठ, व्यसनमुक्त और सकारात्मक तो निश्चित तौर पर उसके द्वारा खेतों में उत्पादित अन्न भी शुद्ध, सकारात्मक भावनाओं से ओतप्रोत और शक्तिशाली होगा।

वर्ष 2013 में देशभर में मेगा शहरों से लेकर गांवों में किसान सम्मेलन, सेमीनार, रैली, यात्रा निकालीं गईं। इनसे अध्यात्म, राजयोग मेडिटेशन, नशामुक्ति-व्यसनमुक्ति, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। कृषि वैज्ञानिकों को जोड़कर जैविक-यौगिक खेती के फायदे बताए गए। यौगिक खेती करने के इच्छुक किसानों को मुख्यालय में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन कार्यक्रमों का लाभ लेकर सैकड़ों किसानों ने नशामुक्ति का संकल्प लिया है। बता दें कि वर्ष 1996 में प्रभाग की नींव रखी गई थी। अपने 11 वर्षों के शोध के बाद प्रभाग की ओर से 2007 में शाश्वत यौगिक-जैविक खेती पद्धति विकसित की गई। प्रभाग से जुड़कर तीन हजार से अधिक किसान यौगिक खेती कर रहे हैं।

देशभर में 32162 पौधे रोपे गए

किसानों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने और लोगों को जागरूक करने के लिए प्रभाग की ओर से वर्ष 2023 में देशभर में अलग-अलग स्थानों पर 686 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें 32162 पौधे रोपे गए। पौधे लगाकर लोगों को उनके संरक्षण और प्रकृति संरक्षण का संकल्प कराया गया। पौधे लगाने का महत्व, हरियाली का महत्व बताया गया। इसी के साथ ग्रामीण उत्सव, स्वच्छता कार्यक्रम, वार्षिक उत्सव, प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किसान भाइयों के लिए आयोजित किए गए।

1340 कार्यक्रम सिर्फ यौगिक खेती के...

देशभर में प्रभाग की ओर से सर्वाधिक 1340 कार्यक्रम यौगिक खेती पर केंद्रित आयोजित किए गए। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्रों के माध्यम से किसान सम्मेलन, गोष्ठी, नुक्कड़ सभा, चौपाल, महासम्मेलन, स्नेह मिलन आदि आयोजित कर ग्रामीणों और किसानों को जैविक-यौगिक खेती के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें सदा नशे से दूर रहने का संकल्प कराकर रासायनिक खेती का उपयोग धीरे-धीरे कम करने के लिए प्रेरित किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

सामाजिक एकता, समरसता और आध्यात्मिक सशक्तिकरण का आह्वान

बैठक में लाखों-करोड़ों आत्माओं के जीवन में आध्यात्मिक विकास और सर्वांगीण विकास की रुपरेखा तय की गई है। सभी भाई-बहनों का प्रयास होना चाहिए कि लोगों में सामाजिक एकता, समरसता और आध्यात्मिक सशक्तिकरण का विकास हो। उन्हें इस वर्ष विशेष रुप से थीम के तहत स्वच्छ, स्वस्थ समाज के निर्माण में आध्यात्मिकता का महत्व विषय पर कार्यक्रमों के माध्यम से अवगत कराएं।

- राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

आज की दुनिया में शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य बहुत जरुरी है। इसे ध्यान में रखते हुए इस वर्ष की थीम आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वच्छ और स्वस्थ समाज को लिया गया है। इस वर्ष कार्यक्रमों से अध्यात्म का जीवन में महत्व, राजयोग मेडिटेशन, स्वच्छ और स्वस्थ सुखी समाज बनाने में हमारी क्या भूमिका हो सकती है इस पर जोर दिया जाएगा। आध्यात्मिकता को अपनाने से ही समाज स्वच्छ, स्वस्थ और सुखी हो सकता है।

- राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

जैसे आसमान में सभी तारे मिलजुलकर रहते हैं, चमकते हैं, वैसे ही हमें अपना जीवन बनाना है। आपस में सभी भाई-बहन मिल-जुलकर रहें, प्रेम-स्नेह से रहें। ताकि आपका धारणायुक्त जीवन देखकर लोग कर्मों से प्रेरणा लेकर खुद को बदल सकें।

- राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

पश्चिमी देशों में तेजी से भारतीय योग और ध्यान पद्धति सीखने को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। ऐसे में हमें ज्ञान और योग के जरिए लोगों में बढ़ रहे तनाव और डिप्रेसन को दूर करने के लिए प्रयास करना जरुरी है। इससे ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकेगा। हमारा प्रयास रहता है कि मुख्यालय में हर वर्ष आने वाले लाखों भाई-बहनें यहां से सुख-शांति, खुशी और जीवन में नई सीख लेकर जाएं।

- राजयोगिनी बीके मुन्नी दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

देश में शांति और विकास के लिए लोगों को अध्यात्म से जोड़ना होगा। आध्यात्मिक जीवन शैली से ही समाज में बदलाव आएगा। अध्यात्म से होकर ही सुखी, स्वच्छ और स्वस्थ समाज का रास्ता जाता है। सभी तरह की मानसिक समस्याओं का समाधान आध्यात्मिक ज्ञान से ही संभव है। अध्यात्म हमारे मन, बुद्धि और आत्मा को सशक्त बनाता है।

- राजयोगी बीके निर्वैर भाई, महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़

सभी 21 प्रभागों ने तय किया एजेंडा

बैठक में विशेष रुप से राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के तहत संचालित सभी 21 प्रभागों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संयोजकों ने सालभर के लिए अपने-अपने प्रभाग का सेवा के लिए एजेंडा तय किया। इसमें सभी ने सर्वसहमति से तय किया की मुख्यालय में दो बार प्रत्येक प्रभाग का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। साथ ही रिट्रीट सेंटर और बड़े सेवाकेंद्रों पर मेगा सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

नशामुक्ति और राजऋषि गोकुल गांव पर रहेगा जोर

बैठक में तय किया गया कि मेडिकल विंग द्वारा जोर-शोर से इस वर्ष भी नशामुक्त भारत अभियान चलाया जाएगा। स्कूल से लेकर कॉलेज विद्यार्थियों को नशे से दुष्परिणाम बताए जाएंगे। इसके अलावा राजऋषि गोकुल गांव, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास, बाल संरक्षण, बाल व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा के विभिन्न आयामों पर चर्चा करके सामाजिक आयोजन करने की रुपरेखा तैयार की गई। छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बैठक का संचालन कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई ने किया।

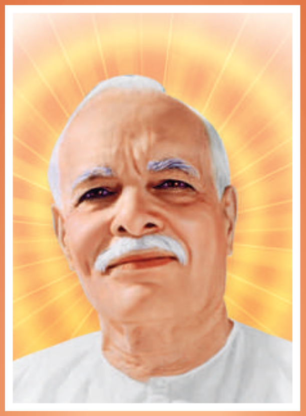

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

शिव बाबा कहते हैं कि मैं आत्माओं की सेवा पर उपस्थित हुआ हूं। तो हम बच्चों को भी सेवाधारी बनना है।

रियल लाइफ

बाबा स्वयं स्थूल सेवा से दूसरों को प्रेरित करते थे...

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारी प्रकाशइन्द्रा जी ने लिखा है कि बाबा वापस आकर यज्ञ- वत्सों के साथ ब्रह्मा-भोजन के लिये सब्जी काटने आदि-आदि जैसे स्थूल कार्यों में भी जुट जाते थे। सभी यज्ञ-वत्स कहते - 'बाबा, यह कार्य हम बच्चों का है। आप इतना उच्च कार्य करते हैं, यह स्थूल काम हमें करने दीजिये। आपके वृद्ध हाथ हैं, उन्हें यह कार्य करते देखकर हमारे मन को न जाने क्या होता है....।'
बाबा कहते – "मैं भी शिव बाबा का बच्चा हूँ। हमारा तो कर्म-योग है। यदि हम स्थूल कार्य न करें तो यह 'कर्मयोग' कैसे सिद्ध होगा? बच्चों, यज्ञ की सेवा सर्वोत्तम सेवा है। इसके लिये तो दधीचि ऋषि की तरह हड्डियाँ देनी हैं। तन-मन-धन से हर प्रकार की सेवा करनी है। हमारा यह अलौकिक जन्म ही सेवा के लिए है। स्वयं शिव बाबा कहते हैं कि मैं आत्माओं की सेवा पर उपस्थित हुआ हूँ। तो हम बच्चों को भी तो सेवाधारी बनना है। हर प्रकार का कार्य करते हुए भी शिव बाबा की याद में रहने का अभ्यास करना है ताकि स्थिति एकरस और योग निरन्तर हो जाये. ।' इस प्रकार की युक्तियाँ देकर बाबा अपनी बात मनवा लेते।
फिर सभी बच्चे नाश्ता करते। बाबा भी ईश्वरीय सेवाकेन्द्रों पर आने वाले नये बच्चों के पत्रों का उत्तर देने के लिए उन्हें पत्र लिखते। वे पत्र क्या होते, वे अमृत के प्याले अथवा संजीवनी बूटी की तरह काम करते। उन्हें पढ़ने से आत्मा को एक रूहानी नशा चढ़ जाता। उनमें इतना माधुर्य, इतना स्नेह, इतनी कल्याणकारी बातें, इतना ज्ञान छलकता था कि उन्हें पढ़- पढ़कर आत्मा गद्‌गद् हो जाती। क्या कभी किसी ने सोचा होगा कि आत्मा को परमात्मा से पत्र भी आ सकता है? इस विषय में एक गीत भी है कि 'भगवान तुझे पत्र लिखता अगर तेरा पता मालूम होता....' परन्तु अब तो उसने अपना पता बता दिया था। प्रतिदिन न जाने कितने पत्र आबू में इस पते पर जाते थे -

सेवा में, परमपिता परमात्मा शिव मार्फत प्रजापिता ब्रह्मा, बृज कोठी, आबू पर्वत (राजस्थान)

आबू डाकखाने के कर्मचारी भी यह पता पढ़कर आश्चर्यान्वित होते। सभी पत्र इसी पते पर आते परन्तु वे इसके अर्थ को जानने का भरसक प्रयत्न करते तभी तो इसे जान पाते। इस बात को तो अनुभवी ही जान सकते हैं, दूसरे लोगों के लिये तो यह एक अविश्वसनीय बात होगी। बाबा के पत्रों के उन सुनहरी अक्षरों के लिए, उन मधुर शब्दों के लिए जिज्ञासु लोग तड़पते रहते। सेवा केन्द्र पर पत्र आते ही चारों ओर सभी ऐसे इकट्ठे हो जाते, न जाने उन्हें उस पत्र को सुनने से क्या मिलेगा ! हरेक को नाम से याद किया होता, हरेक को 'सिकीलधे, नूरे रत्न, मीठे-मीठे बच्चे' - ऐसे शब्दों से सम्बोधित किया होता।
दिन में कई बार योगाभ्यास अथवा ईश्वरीय याद रूप यात्रा की क्लास होती। सभी उस अभ्यास से अपनी अवस्था को अव्यक्त बनाते और आत्मा में लाइट तथा माइट भरते अथवा आत्मा रूपी बैटरी को चार्ज करने का पुरुषार्थ करते।

मधुबन में रात्रि-क्लास...

ब्रह्माकुमारी पुष्पशान्ता जी ने लिखा है- रात्रि की क्लास में बाबा और मम्मा जब सभी के सामने आकर बैठते तो वह दृश्य भी देखते बनता था। दोनों दिव्यमूर्त तथा दोनों के मुखमण्डल पर पवित्रता की अनोखी झलक और अद्भुत तेज। दोनों की भृकुटि में आत्मा का उजाला। दोनों मधुर मुसकान से, स्नेह भरे नयनों से निहारते। अहो, पृथ्वी पर अजीब कौतुक हो रहा था और करोड़ों मनुष्यों को इसका पता भी न था! ठीक ही तो कहा गया है कि 'जब परमपिता ने सृष्टि में आकर सौभाग्य बाँटा तो बहुत-से लोग वहाँ देर से पहुँचे और बहुत-से तो (अज्ञान-निद्रा में) सोये ही रहे।' धन्य हैं वे आँखें जिन्होंने सभी आत्माओं के प्रजापिता ब्रह्मा को तथा जगदम्बा सरस्वती को अपने सामने बैठे हुए देखा और ज्ञान-चक्षु से ब्रह्मा बाबा में पधारे हुए शिव बाबा को भी देखा ! धन्य हैं वे कान जिन्होंने उनके मुखारविन्द से आत्मा आलोकित करने वाले उन महावाक्यों को सुना है।

प्रेरणापुंज

भाग्य लिखने की कलम हमारे हाथ में है, जितना चाहो बना लो

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

हम कितने भाग्यशाली हैं जो भाग्यविधाता बाबा ही हमारा बाप हो गया। भाग्य की रेखा खींचने की कलम भी बाप ने दे दिया है। जितना चाहें उतना लंबा खींच सकते हैं। पहले कहते थे भगवान के हाथ में है। अब बाबा कहता है तुहारे हाथ में कलम देता हूं। जो अभी भाग्य बनाना शुरू करते हैं उनकी लकीर लंबी हो जाए, थोड़े में ही खुश न हो जाएं या थोड़ा बनाके नशा न दिखावें कि मैंने इतना किया। सहयोग के लिए कहा जाता है कि सहयोग के लिए अंगुली दो, बाकी भले अपनी प्रवृति में रहो। लेकिन अंगुली भी बिगर हाथ के नहीं आती। अंगुली दिया माना बाबा को हाथ दिया। हाथ दिया तो हाथ भुजा के बिगर नहीं आ सकता है। तो कितना भगवान, भाग्य विधाता सबका कल्याण करने के लिए कहता है। बच्चे सिर्फ सहयोग की अंगुली दे दो। सहयोगी बनने वाली आत्माएं कितना समीप आ जाती हैं। कितना सहज बाबा उनको अपना बना लेते हैं। योगी बनने में टाइम क्यों लगता है? युद्ध क्यों करनी पड़ती है? क्योंकि सहयोगी बनने में थोड़ा देर लगाई है। इसलिए योगी बनने में भी देरी लगती है कैसे करुं, क्या करुं, योग नहीं लगता, माया के विघ्न आते हैं, कारण क्या? देही-अभिमानी होकर रहने की प्रैक्टिस कम है। यह स्मृति नहीं रहती कि हम भाग्य-विधाता के बच्चे हैं। कितना भाग्यवान हूं। अपने वा दूसरों के छिपे हुए संस्कार इमर्ज हो जाते हैं। हर आत्मा को आत्म-अभिमानी स्टेज से देखने की गुप्त प्रैक्टिस की कमी है। इससे समय, संकल्प व्यर्थ जाता है। सदा रूहानियत के नशे में रहें, रूहानी राहत में रहें, खुशी की खुराक खाते रहें तो सदा मजबूत रहेंगे। ड्रामा की हर न्यारी और प्यारी सीन देखते हर्षित रहेंगे।

राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

> सदा रूहानियत के नशे में रहें, रूहानी राहत में रहें, खुशी की खुराक खाते रहें तो सदा मजबूत रहेंगे।

श्रीमत ही जीवन का आधार हो...

बाबा हम बच्चों को इशारा करते हैं- बच्चे देरी तुहारी है। मनोबल की कमी है। अनुभव कहता है कि मन्सा जितनी पावरफुल है, वायुमंडल अच्छा है, उतना अनेक आत्माओं को सहज योगी बनाने में मदद करता है। व्यर्थ संकल्पों के मायाजाल से छुड़ाता है। व्यर्थ संकल्प महाजाल हैं। कहेंगे, चाहते नहीं हैं लेकिन हो जाता है। दूसरा अच्छा नहीं करता है। ये याल चलने लग पड़ते हैं। अपनी गलती नजर नहीं आती है, दूसरे की गलती दिखाई पड़ती है। गलती क्या है? कुछ भी नहीं है। हर आत्मा का पार्ट न्यारा और प्यारा है। संगमयुग की भागवत लीला में हरेक बाबा के बच्चे का विशेष पार्ट है। भल उसने अपने पार्ट को नहीं समझा है कि भगवान ने क्या पार्ट दिया हुआ है। लेकिन हमको तो बाबा ने इतनी समझ दी हुई है कि हरेक का विशेष पार्ट है। जैसे और सब ज्ञान की बातें सिमरण कर हर्षित होते हैं। योगयुक्त होकर अपनी स्थिति को अच्छा बनाकर, शान्त चित्त रह सकते हैं।

अव्यक्त इशारे

सोचना और करना दोनों ही समान हो, जो सोचा वह किया

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

> हर एक विकार वंश सहित खत्म हो जाए, उसको कहते हैं सर्वंश त्यागी। बाबा ने कहा - बेहद के वैरागी बनो।

बाबा ने जो होमवर्क दिया है। अब उसकी रिजल्ट पूछेगा कि कौन-कौन पास हैं? कौन आधे पास हैं? तो आप किसमें हाथ उठायेंगे ! सभी बाबा को यह रिजल्ट देंगे कि बाबा आपने जो कहा वह हमने किया। हम प्यार का रिटर्न दे रहे हैं। अभी तक सोचना और करना इसमें अन्तर दिखाई देता है। सोचते बहुत अच्छा हैं - यह करूंगी, यह करेंगे, यह होगा लेकिन करने में टाइम फिर परिस्थिति बड़ी हो जाती है और स्थिति थोड़ी ढीली हो जाती है। तो बाबा ने कहा अभी बच्चों को सोचना और करना दोनों ही समान करना है। जो सोचा वह किया। बाबा कहते हैं ऐसे नहीं होना चाहिए। जो सोचो वह करो क्योंकि ज्ञान का अर्थ क्या है? ज्ञान माना समझ। तो समझदार जो सोचेगा वहीं करेगा।
इस बार बाबा ने कहा कि बाबा सभी बच्चों को सर्वंश त्यागी देखने चाहते हैं। सिर्फ त्यागी नहीं। त्यागी तो हो लेकिन सर्वंश त्यागी यानि कोई भी बुराई का वंश न हो। मोटा-मोटा तो खत्म हो जाता है। मोटे रूप से कहते हैं कि हमारे में लोभ नहीं है सिर्फ कोई-कोई चीज अच्छी लगती है, अच्छा लगता है। अभी अच्छा लगना भी तो लोभ का वंश हुआ ना। अच्छा लगता है माना अशक्ति है। तो मोटा रूप खत्म हो गया लेकिन किसी भी तरफ चाहे वैभव के तरफ, चाहे पदार्थ के तरफ कहाँ भी कोई विशेष अच्छा लगता है माना कुछ लगाव है, लोभ है। सब क्यों नहीं अच्छा लगता ! तो सर्वंश त्यागी माना अंश वंश कुछ नहीं। अगर वंश होगा तो अंश भी रहेगा। लेकिन हर एक विकार वंश सहित खत्म हो जाए, उसको कहते हैं सर्वंश त्यागी। और दूसरा बाबा ने कहा - बेहद के वैरागी बनो। अभी सभी देख रहे हैं। और बाबा ने तो अचानक का पाठ बहुत अच्छा सबको पढ़ा लिया है। जबसे बाबा ने अचानक कहा है तब से अगर देखेंगे, तो कितनी अचानक की बातें होती जा रही हैं। और सबको याद आता है कि बाबा ने कहा ना अचानक, तो देखों यह अचानक हो गया।
अचानक माना एवररेडी रहो क्योंकि उस समय रेडी होने की कोशिश करेंगे तो तैयार हो ही नहीं सकेंगे। जब प्रैक्टिकल पेपर होता है तो सेकण्ड या मिनट का होता है। अभी उस समय मैं तैयार करूँ कि मैं मोहजीत हूँ, मैं मोहजीत हूँ...। मोह नहीं आवे, मोह नहीं आवे तो मैं पास होंगी या क्या होगा? अपने को ही ठीक करने में इतना टाईम लगता तो क्या होगा। यह तो जैसे तोते की कहानी मिसल हो गया। तो ऐसा न हो कि हम कहें, हमको तो बनना है, बनना है और उस समय कहें मोह आ तो रहा है। बाबा आप मेरा मोह ले लो ना, बाबा मुझे पास कर लो, तो उस समय कौन सुनेगा ! बाबा भी कहेगा इतना वर्ष मैंने सुनाया तो वह सुना नहीं, अभी मैं तुम्हारा क्यूँ सुनूँ, अभी पेपर दो। परीक्षा के समय पेपर में प्रिन्सीपल या मास्टर थोड़ी ही मदद करता है। उस समय तो वह चेक करने वाला हो जाता है, पढ़ाने वाला या मदद करने वाला नहीं होता है। तो उस समय हमारा क्या होगा? इसीलिए बाबा बाबा कहते हैं एवररेडी रहो।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

राजस्थान, पाली जिले के सादड़ी में 22 बीघा जमीन पर जल्द बनकर तैयार होगा मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर

शिवलिंग के अंदर होंगे चार धाम के दर्शन

आबू रोड, राजस्थान।

राजस्थान के पाली जिले में स्थित सादड़ी नगर अपने आप में इतिहास की विरासत को समेटे हुए है। अरावली की पहाड़ियों की गोद में बसे इस शहर को मेवाड़ के मारवाड़ का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है। अब इस नगर में ब्रह्माकुमारीज संस्थान की ओर से 22 बीघा जमीन पर मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर बनाया जाएगा। इसमें ज्योतिर्लिंग की तर्ज पर एक बड़ी आकृति का शिवलिंग बनाया जाएगा, जिसके अंदर ओंकारेश्वर, महाकालेश्वर, आदि चार धाम के दर्शन होंगे। इससे लोगों को आध्यात्मिक संदेश थ्रीडी ग्राफिक्स, शो के जरिए दिया जाएगा।

यह निर्णय मुख्यालय शांतिवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। सादड़ी में बनने वाले इस रिट्रीट सेंटर से लाखों लोगों को जीवन में सुख-शांति, तनावमुक्त जीवन, आनंदमय जीवन के साथ राजयोग मेडिटेशन का संदेश मिल सकेगा।

सादड़ी में बनने वाले रिट्रीट सेंटर का प्रस्तावित मानचित्र

यह आसपास के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।

संस्थान के सभी 12 जोन अपने क्षेत्र में सेवाएं करेंगे : ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा पूरे भारत वर्ष में अपनी सेवाओं के सुचारु संचालन के लिए 12 विभिन्न जोन में बांटा गया है। प्रत्येक जोन अपने-अपने एरिया में आध्यात्मिक ज्ञान और सामाजिक सेवाएं करता है। जोनल निदेशिका, सबजोन निदेशिका के मार्गदर्शन में आयोजित जोन स्तर की बैठक में सालभर चलने वाले आयोजनों की रुपरेखा तय की गई। इसमें मेगा सम्मेलन, मेडिटेशन रिट्रीट और राष्ट्रीय सेमीनार की तारीख तय की गई।

दादी गुलजार उपवन में होगी जैविक-यौगिक खेती

मुख्यालय शांतिवन आबू रोड के पास पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी) की स्मृति में दादी गुलजार उपवन बनाया जा रहा है। सौ एकड़ में बने इस उपवन में अब यौगिक खेती पद्धति से फल-सब्जी का उत्पादन किया जाएगा। इसकी पूरी रूपरेखा तैयार की गई है। पूरी क्षमता से उत्पादन होने से संस्थान की सब्जी की जरूरतों की पूर्ति में मदद मिल सकेगी।

यातायात एवं परिवहन प्रभाग

यात्रीगण कृपया ध्यान दें... 'अगला स्टेशन जिंदगी है'

आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में यात्रीगण कृपया ध्यान दें, अगला स्टेशन जिंदगी है... अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से लोगों को बताया जाएगा कि यदि आप अपने रिश्तों में लापरवाही करते हैं तो कैसे जिंदगीभर नाखुश रहने की सजा सुनाई जा सकती है। हैप्पीनेस एक्सप्रेस से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक विशेष सूचना... आवश्यकता से अधिक सामान लेकर यदि आप आए हैं तो यात्रा रद्द कर दी जाएगी। जैसे कि दिल में नफरत, दिमाग में कचरा और स्वभाव में चालाकियां जैसी कोई वस्तु आपके पास है तो इसे अंदर लाना वर्जित है। आशा करते हैं कि आपकी यात्रा सुखद और मंगलमय हो। चलती ट्रेनों में यह अनाउंसमेंट यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा कराया जाएगा। ताकि लोग अपने मन में तनाव, चिंता, भय, घृणा, ईर्ष्या के भाव लेकर

यदि यात्रा करते हैं तो वह जागरूक हो सकें। अध्ययन में सामने आया है कि तनाव में वाहन चलाने पर दुर्घटना की आशंका अधिक रहती है और देश में तेजी से बढ़ रहे सड़क हादसे का एक बड़ा कारण ये भी है।

ये गतिविधियां करेंगे: मेट्रो ट्रेन में लोगों को उपरोक्त अनाउंसमेंट के जरिए जागरूक किया जाएगा। तनाव की स्थिति में ड्राइविंग नहीं करने की समझाइश दी जाएगी। चालक-परिचालकों को राजयोग की ट्रेनिंग दी जाएगी।

कला एवं संस्कृति प्रभाग

वैश्विक संस्कृति : प्रेम, शांति, सद्भावना थीम पर होंगे सांस्कृतिक आयोजन

आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज के कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में देशभर वैश्विक संस्कृति प्रेम, शांति, सद्भावना थीम पर सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। अभियान के तहत देश के सभी राज्यों की राजधानी, राजभवन में कार्यक्रम कर राज्य स्तरीय उद्घाटन करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत गुजरात राज्य का राज्य स्तरीय समारोह 18 फरवरी 2024 को राजभवन में आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किया।

अभियान का उद्देश्य-

- समाज और विश्व में प्रेम, शांति और सद्भावना का माहौल बनाना।
- नई पीढ़ी में प्रेम और शांति की संस्कृति का विकास करना।
- सामाजिक समरसता और आपसी सहयोग की भावना को जागृत करना।
- आध्यात्मिक गुण व शक्तियों का महत्व विश्व पटल पर प्रदर्शित करना।

ये गतिविधियां होंगी

- कवि सम्मेलन
- सामूहिक गीत प्रतियोगिता
- चित्र प्रतियोगिता
- भाषण स्पर्धा
- कलाकारों के लिए सेमीनार, वर्कशॉप
- चलो भारत की प्राचीन संस्कृति का सम्मान करें कार्यक्रम
- पीस वॉक का आयोजन

युवा प्रभाग : माउंट आबू में होगी अखिल भारतीय मेडिटेशन रिट्रीट- मैजिक ऑफ साइलेंस

देशभर में चलाएंगे सशक्त युवा, संपन्न भारत अभियान

वर्ष 2024-25 में युवा प्रभाग द्वारा मेगा प्रोजेक्ट सशक्त युवा, संपन्न भारत चलाया जाएगा। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों, सेमीनार, सभा, सम्मेलन के माध्यम से युवाओं को पॉजीटिव चैंज, मैजिक ऑफ साइलेंस, थॉट्स पावर, माइंड पावर की ट्रेनिंग दी जाएगी।

अभियान के तहत ये कार्यक्रम होंगे

1. पॉजीटिव चैंज: इसके तहत युवाओं को वर्कशॉप के माध्यम से परिस्थितियों के अनुरूप खुद को कैसे बदलें, नकारात्मकता को सकारात्मक में कैसे बदलें, सकारात्मक व्यक्तित्व का निर्माण, आध्यात्मिक शक्ति और सकारात्मक दिनचर्या के बारे में गहराई पूर्वक बताया जाएगा।

2. परीक्षा मित्र: इसके तहत स्कूल, कॉलेजों में सेमीनार, वर्कशॉप के माध्यम से विद्यार्थियों को परीक्षा के भय से मुक्ति, आत्म विश्वास, एकाग्रता, लक्ष्य पर फोकस कैसे करें, तनावमुक्त विद्यार्थी जीवन, स्वस्थ्य दिनचर्या, मेडिटेशन बनाए जिंदगी आदि विषयों पर शिक्षित-प्रशिक्षित किया जाएगा।

3. नशामुक्त जीवन: इसके तहत स्कूल-कॉलेज विद्यार्थियों से लेकर प्रोफेशनल युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। नशे से होने वाले दुष्परिणाम बताकर जागरूक करेंगे।

4. भाषण करने की कला: ब्रह्माकुमारीज से जुड़े युवा ब्रह्माकुमार भाई-बहनों में मंच संचालन, भाषण कला का विकास करने के लिए रिट्रीट, वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी। ताकि वह आध्यात्मिक ज्ञान को बेहतर तरीके से समाज तक पहुंचा सकें।

5. कोटा में लाइफ स्किल कैंप: युवाओं को स्ट्रैस फ्री लाइफ, पॉजीटिव थिंकिंग, लाइफ स्किन, मैजिक ऑफ मेडिटेशन आदि विषयों को लेकर विभिन्न कोचिंग संस्थान, हॉस्टल, कॉलेज में अभियान चलाकर वर्कशॉप, सेमीनार आयोजित किए जाएंगे।

6. मेगा प्रोग्राम: सशक्त युवा-संपन्न भारत और यूथ- द लाइट हाउस विषय पर प्रमुख शहरों में मेगा सम्मेलन का आयोजन।

7. स्प्रीचुअल यूथ पार्लियामेंट: ज्ञान सरोवर परिसर माउंट आबू में स्प्रीचुअल यूथ पार्लियामेंट आयोजित की जाएगी। इसमें देशभर चुनिंदा 500 युवा भाग ले सकेंगे।

8. अखिल भारतीय मेडिटेशन रिट्रीट: ज्ञान सरोवर परिसर में 30 मई से 3 जून 2024 तक मैजिक ऑफ साइलेंस विषय पर अखिल भारतीय मेडिटेशन रिट्रीट होगी। इसमें युवाओं को शांति की शक्ति , राजयोग मेडिटेशन और चुनौतियों का सामना करने की शक्ति का विकास करने पर जोर दिया जाएगा।

9. युवा महोत्सव: युवा प्रभाग की स्थापना के 40 साल पूरे होने पर शांतिवन मुख्यालय में 19 सितंबर से 23 सितंबर तक युवा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर से चार हजार युवा शामिल होंगे।

संपादकीय

आत्मा की शक्ति है मन

जैसे घर परिवार को चलाने के लिए कर्मचारी, अधिकारी और मुखिया होता है। ऐसे ही इस शरीर को चलाने के लिए मन, बुद्धि के साथ कर्मेन्द्रियां और ज्ञानेन्द्रियां होती हैं। मन अधिकारी है परन्तु आत्मा इन कर्मेन्द्रियों का राजा है। इसलिए मन हमारे वश में होना चाहिए ना कि आत्मा। मन में ऐसी शक्ति है कि वह दुनिया की हर चीज आपके चरणों में ला सकता है। उसके अन्दर इतनी शक्ति है कि दुनिया की हर चीज पर विजय प्राप्त करा सकता है। परन्तु हमारा मन पर कितना अधिकार है यह जानना जरूरी है। जितने अधिकार पूर्वक हम उससे आदेश करेंगे उतना ही वह आपका कहना करेगा। क्योंकि मन के राजा हम हैं ना कि मन हमारा राजा है। यह अधिकार आपको समझना और जानना होगा। इसलिए मन को अधिकार पूर्वक आदेशित करना सीखें। इससे ही आपके जीवन में तरक्की की राह खुलेगी। यही नहीं बल्कि आपके वश में सारी कर्मेन्द्रियां और ज्ञानेन्द्रियां होंगी। फिर आप राजा को दुःख आने का कोई भी कारण नहीं होगा। क्योंकि दुःख और सुख का खेल केवल सोच के रूप पर ही निर्भर है। अपने आपको अंदर से इतना मजबूत करें कि वह आपका पूरा कहना माने। इसके लिए आपको कोई खास प्रकार के भोजन की जरूरत नहीं बल्कि आत्मा और मन का भोजन सकारात्मक विचार हैं। सकारात्मक विचार के साथ कर्म ही आत्मा और मन को सही दिशा में ले जा सकते हैं। मन से जो काम हम सफलता पूर्वक करवाना चाहते है उसे हम पहले स्पष्ट रूप से लक्ष्य निर्धारित कर देखना शुरू करें, फिर हम उन विचारों को सोते उठते हर कर्म करते हम बार-बार दोहराते रहें तो मन आदेश मान कर सफलता अवश्य प्राप्त कराएगा।

बोध कथा/जीवन की सीख

संवेदनशीलता और सही दिशा

एक समय की बात है, एक गांव में अर्जुन नामक एक युवक रहता था। वह बड़ा ही समझदार और परिश्रमी था, लेकिन उसके जीवन में कुछ ऐसी चीजें थीं जो हमेशा उसकी हार का कारण बनती थीं। अर्जुन का सपना था कि वह अमीर बनें, लेकिन हमेशा कुछ ना कुछ कामयाबी की राह में रुकावटें आती रहीं। एक दिन, अर्जुन अपने

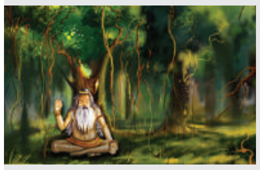

दोस्त सुरेश के साथ गांव के पंचायत भवन में गया। वहां उन्होंने सुना कि एक महान योगी गांव के पास आ रहे हैं और वह सभी जीवों के कर्मों को जान सकते हैं। अर्जुन ने दोस्त सुरेश के साथ तय किया कि वे इस योगी के पास जाकर अपने कर्मों के बारे में जानने का प्रयास करेंगे। योगी के पास पहुँचकर, अर्जुन और सुरेश ने उनकी आज्ञाओं का पालन किया और उनके सामने बैठे। योगी ने दोनों के कर्मों को जानने का प्रयास किया और बताया कि उनके कर्मों के बल पर ही उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है। अर्जुन ने सबसे पहले योगी को अपने कई सारे परिश्रमों के बारे में बताया। उसने कहा कि वह हमेशा परिश्रम करता है, लेकिन फिर भी उसका सपना पूरा नहीं हो पाता। योगी ने उसके कर्मों को देखकर बताया कि उसने तो परिश्रम किया, लेकिन उसके कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा नहीं दी। उसने कहा कि अगर वह अपने कर्मों को सही दिशा में ले जाता तो उसका सपना पूरा हो सकता था। अर्जुन ने इसे सबसे गहराई से समझने की कोशिश की, और योगी के संदेश को समझकर उसने अपने कर्मों में सुधार करने का निर्णय लिया। उसने योगी से सीखा कि कर्मों को न केवल बिना उम्मीद के किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें सही दिशा में करने की भी आवश्यकता होती है। अर्जुन ने योगी की सीखों का पालन किया और अपने कर्मों में संवेदनशीलता और सही दिशा देने लगा। उसके कर्मों में सुधार होता गया और वह अपने सपने की ओर बढ़ता गया। कुछ महीनो बाद अर्जुन का सपना पूरा हो गया और वह अमीर बन गया। वह समझ गया कि कर्मों को सही दिशा में करने से ही सफलता मिलती है।

संदेश: केवल मेहनत करने से नहीं, बल्कि मेहनत सही दिशा में करने से ही सफलता मिलती है। हमें अपने कर्मों को संवेदनशीलता और सही दिशा में करने की कोशिश करनी चाहिए। यह हमारे जीवन में सफलता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

मेरी कलम से

डॉ. कुलविंदर सिंह,
सहायक निदेशक
फोरेंसिक जांच लैब,
अंबाला, पंजाब

शुक्रगुजार हूं उस परमात्मा का जिसने मुझे चुना बचपन की तलाश हो गई पूरी

अवेकनिंग विद ब्रह्माकुमारीज़ प्रोग्राम से मिली जीवन में नई दिशा

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान।

मैं गुड़गांव में पोस्टेड था। मैं प्रयासरत था कि यदि ट्रांसफर अंबाला हो जाए तो स्वयं और परिवार एवं बच्चों के लिए अच्छा रहेगा। कुछ समय बाद मुझे लगा कि ट्रांसफर होने वाला है तो उसके पहले ही मैंने बच्चों और परिवार को वहां शिफ्ट करा दिया, लेकिन किन्हीं कारणों से ट्रांसफर नहीं हो पाया। यह मेरे लिए मुश्किल समय था, क्योंकि मैं यहां और परिवार वहां। खालीपन और उनकी फिक्र हमेशा बनी रहती। मुझे क्या पता था कि यह जीवन के सकारात्मक बदलाव का यही सही समय था। अब मैं खालीपन भरने का साधन ढूंढने लगा था। टीवी देखकर कुछ समय निकाल लेता लेकिन फिर भी बच्चों और परिवार के बिना घर खाली-खाली लगता था। कहते हैं परमात्मा, मात-पिता के समान है वह हमेशा ख्याल रखता है। ऐसा ही कुछ हुआ मेरे साथ। एक दिन मैं टीवी देख रहा था तभी मैंने अवेकनिंग विद ब्रह्माकुमारीज़ का एपिसोड देखा। उसी वक्त यह महसूस होने लगा जैसे यह सब बातें मेरे सवालों का समाधान हैं। फिर प्रतिदिन हमें उस समय का इंतजार रहता था कि कल क्या बताया जाएगा।

अब मैं प्रतिदिन अवेकनिंग विद ब्रह्माकुमारीज़ देखने लगा और धीरे-धीरे मेरे जीवन की सभी उलझनें समाप्त होने लगीं। आत्मा की खोज और कर्म के सिद्धांत को जानने की जिज्ञासा भी लगभग पूरी होने लगी। फिर मैंने बीके शिवानी बहन द्वारा बताई हुईं बातों का प्रयोग करने लगा। मैंने परिवार को भी यह प्रोग्राम देखने के लिए प्रेरित किया और वे लोग भी धीरे-धीरे जुड़ते गए। अब मेरा जीवन पूरी तरह से बदलने लगा। प्रतिदिन प्रातः उठना और राजयोग ध्यान अभ्यास को अपनाना हमारी दिनचर्या में शुरू हो गया। मूल्य और अध्यात्म जीवन के सबसे अच्छे मित्र होते हैं। क्योंकि इससे मन में संतुष्टता आ गई और हर पल खुशी एवं शांति की अनुभूति होने लगी। ऐसा ही कुछ मेरे जीवन में भी हुआ। अब हमें लगा इसे आगे भी जारी रखना चाहिए। इसके बाद मैं गुड़गांव में ब्रह्माकुमारीज संस्था के सेवाकेन्द्र पर गया। जहां पर मैंने राजयोग सीखा और प्रतिदिन राजयोग का अभ्यास करने लगा। अब मेरा पूरा परिवार खुश था और मैं भी खुश था। जीवन में बड़ा बदलाव आया। मुझे देख हमारे साथ काम करने वालों के भी जीवन में सकारात्मक बदलाव आना शुरू हो गया। मैं माउण्ट आबू का वातावरण और परिवार का निःस्वार्थ प्यार व स्नेह पाकर अभिभूत हो गया। बस लगता है कि जीवन ऐसा ही होना चाहिए।

धारणा अनुसरण द्वारा आत्म दर्शन से जीवन मुक्ति

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 70

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

अंतर्मन की जिज्ञासु प्रवृत्ति में समाविष्ट अवधारणा सदैव जीवन की उच्चता की ओर गतिशील होने के भाव जगत से भरपूर होती है जिससे महान कर्म के प्रति निष्ठावान रहकर भी स्वयं को कर्मातीत अवस्था के साथ महानतम पुरुषार्थ की निरन्तरता को स्थायित्व प्रदान करना होता है। धार्मिक अनुष्ठान के कार्यों में जीवात्मा का गहन संबंध होता है जो व्यक्तिगत जीवन को आत्म संतुष्टि की अनुभूति से सराबोर करता रहता है जिसमें स्वयं की संबद्धता के पश्चात् आत्मिक रूप से जीवन मुक्ति की उन्मुक्त अवस्था को धारण करने की अनिवार्यता, आत्मगत न्याय-संगत स्थिति का प्रमाण है। आध्यात्मिक पुरुषार्थ आत्मिक उत्कर्ष का पर्याय होता है जिसमें चेतना के निर्माण की स्थितियाँ चिंतन को उच्चतम अवस्था द्वारा देवात्मा स्वरूप की प्राप्ति पर बल देती हैं लेकिन कर्मातीत हो जाने की यथार्थता आत्मा को सदा निमित्त, निर्माण एवं निर्मल बनाए रखने में सहायक सिद्ध होती है।

आध्यात्मिक पुरुषार्थ की धारणात्मक उच्चता: पुरुषार्थ की अवधारणा का न्याय संगत स्वरूप जब आत्मगत परिष्कार के संबंध में उच्चता को प्राप्त करता है तब उसके सम्पूर्ण परिदृश्य के अंतर्गत आध्यात्मिक शक्ति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जीवन की गुणवत्ता के सन्दर्भ एवं प्रसंग में गतिशीलता का पक्ष सदा चेतना के चिन्तनशील अनुक्रम को स्वीकार करता है जिसमें अंतर्मन - अच्छाई , उत्तम , श्रेष्ठ , उत्कृष्ट , महान , धार्मिक और आध्यात्मिक मनोवृत्ति की चेतनता के सानिध्य में - मन , वचन तथा कर्म को एकाकार करने की साधना हेतु संलग्न रहता है। अध्यात्म से आत्मिक सम्बद्धता का अभिप्राय आत्मजगत की दिव्य अनुभूति के माध्यम से

आत्मिक स्वरुप में उच्चतम शिखर पर स्थापित होने की गौरवपूर्ण उपलब्धि को जीवात्मा द्वारा इसी जन्म में प्राप्त किया जाना है। धर्मगत आचरण के गूढ़तम रहस्य के प्रति आत्मगत श्रद्धा एवं आस्था व्यक्ति को श्रेष्ठतम कर्म के लिए अभिप्रेरित करते हुए स्वयं को आध्यात्मिक स्वरूप में रूपान्तरित करके , चेतना के धारणात्मक परिवेश को आत्मसात करने पर सदैव बल प्रदान करती है। आध्यात्मिक पुरुषार्थ की धारणात्मक उच्चता को साधक द्वारा अनुकरण एवं अनुसरण करके आत्म दर्शन की अलौकिकता का आत्मानंद स्वरुप चेतना को सहजता से कर्मातीत अवस्था में परिणित कर देता है।

स्वचिंतन अनुभूति में आत्म दर्शन : आत्म दर्शन के प्रति सजग संचेतना का संबल अंतः करण को निज स्वरुप का दिग्दर्शन करने हेतु प्रेरित करता है जिसमें आत्मानुभूति की गहराई में स्थित होकर स्वचिंतन के द्वारा आत्मवैभव के संतुष्टिजनक परिणाम तक व्यक्ति सहज ही पहुंच जाता है। जीवन में धारणा का अनुकरण करने में ही स्वचिंतन की परम अनुभूति से आत्म तत्व को गुजरना पड़ता है क्योंकि स्वानुभूति की यह पड़ताल स्वयं के सूक्ष्म विश्लेषणात्मक अध्ययन में अंतर्निहित होती है तथा सशक्तिकरण के प्रभावी रूप द्वारा प्रतिपादित होती रहती है। आध्यात्मिक जगत में आत्म दर्शन की उच्चतम स्थिति का सानिध्य प्राप्त करने के लिए आत्म मंथन की प्रक्रिया सदा मददगार होती है जो व्यक्ति को तीव्र पुरुषार्थ की ओर गतिशील हो जाने हेतु - निरन्तर अभिप्रेरित करती है। स्व-चिंतन में आत्मगत संलग्नता से अंतर्मन के जीवंत भाव पक्ष के अंतर्गत कार्य करते हुए मुक्ति एवं जीवन मुक्ति के समाधानमूलक यथार्थ स्वरुप पर सर्वाधिक ध्यान केंद्रित होता है जो चेतना की संपूर्ण स्वतंत्रता का परिचायक है। जीवन में आत्म तत्व द्वारा कर्म की चैतन्यता से पूर्णतः अकर्ता रूप की स्थिति अर्थात् उन्मुक्त रहने का सहज अभ्यास और उसकी परिपक्व अवस्था जीवात्मा के परमानन्द स्वरुप का मूलभूत आधार होता है।

जीवन मुक्ति द्वारा कर्मातीत अवस्था: कर्म जगत की व्यावहारिकता जब लोक मंगल के संदर्भ एवं प्रसंग में सम्पादित की जाती है तब आत्मगत आचार, व्यवहार में पुण्य कर्म की पूर्णता के पश्चात् भी नैसर्गिक रूप से जुड़ाव बना रहता है जिससे मुक्त होने का प्रबल पुरुषार्थ ही जीवन मुक्ति का आधार होता है। अंतर्मन की जिज्ञासु प्रवृत्ति में समाविष्ट अवधारणा सदैव जीवन की उच्चता की ओर गतिशील होने के भाव जगत से भरपूर होती है जिससे महान कर्म के प्रति निष्ठावान रहकर भी स्वयं को कर्मातीत अवस्था के साथ महानतम पुरुषार्थ की निरन्तरता को स्थायित्व प्रदान करना होता है। धार्मिक अनुष्ठान के कार्यों में जीवात्मा का गहन संबंध होता है जो व्यक्तिगत जीवन को आत्म संतुष्टि की अनुभूति से सराबोर करता रहता है जिसमें स्वयं की संबद्धता के पश्चात् आत्मिक रूप से जीवन मुक्ति की उन्मुक्त अवस्था को धारण करने की अनिवार्यता, आत्मगत न्याय-संगत स्थिति का प्रमाण है। आध्यात्मिक पुरुषार्थ आत्मिक उत्कर्ष का पर्याय होता है जिसमें चेतना के निर्माण की स्थितियाँ चिंतन को उच्चतम अवस्था द्वारा देवात्मा स्वरूप की प्राप्ति पर बल देती हैं लेकिन कर्मातीत हो जाने की यथार्थता आत्मा को सदा निमित्त, निर्माण एवं निर्मल बनाए रखने में सहायक सिद्ध होती है। चैतन्यता के जीवन मुक्त व्यापक परिवेश में चिंतनशील अभिवृति का उद्गम आत्म दर्शन की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए मंसा से निराकारी, वाचा से निरहंकारी तथा कर्मणा से निर्विकारी भाव के परिष्कृत स्वरुप द्वारा कर्मातीत अवस्था की उच्चता को अंतःकरण में स्थापित कर देता है।

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है।

- महर्षि वाल्मीकि

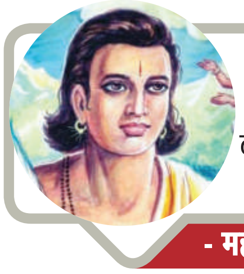

संत-महात्मा और अच्छे लोग बिना कहे ही दूसरों का भला करते हैं, जिस प्रकार सूर्य घर-घर में एक समान प्रकाश करता है।

- महाकवि कालिदास

शख्सियत

शिव आमंत्रण, आबू रोड। परमात्मा को पाने की चाह, ईश्वर की खोज और स्वयं को जानने की ललक में मात्र 13 वर्ष की अल्पायु में घर छोड़ दिया। वाराणसी के काशी हिंदू विश्वविद्यालय से व्याकरण में डबल आचार्य की डिग्री ली और आज सतना में स्वयं के आश्रम का संचालन कर रहे हैं। हम बात कर रहे हैं मप्र, सतना जिले के 34 वर्षीय युवा आचार्य परमानंद महाराज की। पांच साल पहले आप ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आए और तब से नियमित रूप से राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कर रहे हैं। शिव आमंत्रण से विशेष बातचीत में आपसे आत्मा, परमात्मा, सृष्टि चक्र, परमात्म अवतरण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। पेश हैं बातचीत के प्रमुख अंश....

कण-कण में ईश्वर नहीं हैं, ईश्वर से कण-कण है

- आचार्य परमानंद महाराज, सतना

आचार्य परमानंद महाराज ने जीवन, परमात्म अवतरण और राजयोग की अनुभूतियों पर रखे अपने विचार

सवाल: लोगों की मान्यता है कि ईश्वर कण-कण में हैं, आप इससे कितने सहमत हैं?

जवाब: हमारे उपनिषदों में कहा गया है कि कण-कण ईश्वर से है, लेकिन लोगों ने उल्टा कर दिया है कि कण-कण में ईश्वर हैं। दोनों बातों में जमीन-आसमान का अंतर है। ईशा वास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत् अर्थात कण-कण ईश्वर से बना है, ईश्वर से ही सब निर्मित है। ईश्वर अपनी ईथर एनर्जी से इस संसार को चला रहे हैं। जब लोगों ने ईश्वर को कण-कण में मान लिया तो फिर प्रकृति की पूजा शुरू हो गई। यहीं से मूर्ति पूजा की शुरुआत हुई और साकार को भगवान मान लिया गया है। उपनिषद के जो ऋषि थे वह बोलकर चले गए लेकिन उनके जो अनुयायी थे, उन्होंने उसका अर्थ उल्टा कर दिया। जो आगे होते हैं, पीछे के लोग उनका ही अनुशरण करते हैं। इसलिए आज लोगों ने ईश्वर को कण-कण में मान लिया है। चूंकि लोगों में इतनी भ्रांतियां हो गईं हैं कि कण-कण में ईश्वर है इससे बाहर निकलना बहुत मुश्किल है। जरूरत है तो लोगों को अपने धर्मग्रंथ पढ़ने होंगे।

सवाल: ब्रह्माकुमारीज़ में कौन सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया?

जवाब: ब्रह्माकुमारीज़ के बारे में जब मुझे पता चला कि यहां एक दो नहीं बल्कि हजारों युवा जोड़े (पति-पत्नी) हैं जो घर-गृहस्थ में रहते हुए पूरी तरह से पवित्रता का पालन करते हैं। इस बात ने मुझे आश्चर्य में डाल दिया कि इतनी बड़ी साधना कोई इंसान नहीं करा सकता है। क्योंकि एक साथ स्त्री-पुरुष रहें, वासना न आए और काम से बचे रहें यह आमतौर पर संभव नहीं है। इस पर मुझे लगा कि जरूर यह कार्य कोई दिव्य शक्ति, महाशक्ति, परमात्मा का ही हो सकता है। इस सवाल को जानने के लिए मैंने राजयोग मेडिटेशन का कोर्स किया। मेरे मन में सवालों की इतनी लंबी लिस्ट थी कि कोई मुझे संतुष्ट नहीं कर पा रहा था फिर मैंने परमात्मा से ही अपने सवालों के जवाब जानने का संकल्प किया। पति-पत्नी साथ में रहकर पवित्र रहना, इससे बड़ी कोई साधना हो नहीं सकती है। लेकिन राजयोग के ज्ञान से यह संभव है।

सवाल: राजयोग का कोर्स सात दिन का है, लेकिन आपको समझने में तीन माह लग गए क्यों?

जवाब: जब मुझे ब्रह्माकुमारी संस्था के बारे में परिचय मिला तो मन में आया कि एक बार इस आध्यात्मिक ज्ञान को समझने का प्रयास किया जाए। इसी जिज्ञासावश मैंने राजयोग मेडिटेशन का कोर्स करने का संकल्प किया। पहले दिन कोर्स में बताया गया कि आप आत्मा हैं, शरीर तो आत्मा का कर्म करने का साधन है। आत्मा शरीर रूपी मंदिर में विराजमान एक चैतन्य मूर्ति है। मन-बुद्धि-संस्कार आत्मा की तीन शक्तियां हैं। यह बात मुझे अच्छी लगी और मैं सहमत हो गया। लेकिन जब परमात्मा का परिचय का चैप्टर आया और इसमें कोर्स करा रहीं ब्रह्माकुमारी बहन ने बताया कि गीता में किए वायदे अनुसार परमपिता परमात्मा का इस धरा पर अवतरण हो चुका है तो मुझे विश्वास नहीं हुआ। मेरे मन में अनेक तरह के सवाल-जवाब उमड़ने लगे। इस सवाल को लेकर मैंने वेद, उपनिषद, गीता का अध्ययन किया और जानने का प्रयास किया कि कहां परमात्मा के अवतरण की बात लिखी गई है। तीन ब्रह्माकुमारी बहनें ने अपने-अपने रीति से मुझे तार्किकता और ज्ञान के आधार से यह स्पष्ट करने का प्रयास किया कि परमात्मा इस धरा पर आ चुके हैं। वह साधारण ब्रह्मा तन का आधार लेकर गीता ज्ञान और सहज राजयोग सिखा रहे हैं। इस पर मैंने ठाना और ब्रह्ममुहूर्त में परमात्मा का ध्यान करना शुरू किया। मैंने परमात्मा शिव बाबा से ही इस सवाल का जवाब जानने की ठान ली। मैं राजयोग का अभ्यास करता रहा और मन में एक ही संकल्प चलता कि हे! ईश्वर यदि तू इस धरा पर आ चुका है तो अपने होने की उपस्थिति मुझे कराओ।

शिव बाबा का कमाल है कि मुझे राजयोग ध्यान के दौरान परमात्मा की दिव्य अनुभूति हुई। मुझे अपने सारे सवालों के जवाब अमृतवेला ब्रह्ममुहूर्त में योग के दौरान मिलते गए। अब आत्मा, परमात्मा, सृष्टि चक्र आदि को लेकर मेरे मन में कोई दुविधा या संशय की स्थिति नहीं है। मैंने अपने ज्ञान, अध्ययन और योग में अनुभूति से यह महसूस किया है कि परमात्मा एक हैं और वह इस धरा पर आकर अपना कार्य कर रहे हैं। परमात्मा तर्क का विषय नहीं है उसकी तो बस अनुभूति की जा सकती है। इसके अलावा वाराणसी के बीके संपत भाई ने धर्म-शास्त्रों के आधार पर लंबे मंथन-चिंतन के बाद यह स्पष्ट किया कि परमात्मा का इस धरा पर दिव्य अवतरण हो चुका है।

सवाल: गीता में किए वायदे अनुसार-परमात्मा परकाया प्रवेश कर ब्रह्मा मुख ज्ञान देते हैं, आप क्या कहेंगे?

जवाब: जब मैंने धर्म की ग्लानि को अच्छे से समझा, गीता का अध्ययन किया तो लगा कि वास्तव में धर्म की ग्लानि तो यही है। यही समय कलियुग के अंत का समय है। क्योंकि आज मनुष्य की सोच एकदम पतित है। अपने सुख के अतिरिक्त दूसरे के सुख की बात कोई नहीं सोच रहा है। शास्त्रों में जो 84 लाख की बात आई है वह हमारे वेदों और उपनिषदों में कहीं नहीं है। पहले आए हैं वेद और वेद से फिर उपनिषद निकले हैं। फिर उपनिषद से शास्त्र बने हैं। शास्त्र से फिर पुराण बने हैं। पूरी सृष्टि के रचनाकर एक परमात्मा हैं। परमात्मा ही सृष्टि के संचालन के लिए ब्रह्मा, विष्णु और शंकर तीन देवों की रचना करते हैं। परम सत्य यही है कि परमपिता परमात्मा ही सृष्टि के रचनाकार, निर्माता हैं। एक परमात्मा ही ईश्वर, भगवान हैं। बाकी सभी देवी-देवता हैं।

सवाल: आप परमात्मा से कैसे मिलन मनाते हैं?

जवाब: परमात्मा को इन चक्षुओं से देखा नहीं जा सकता है। उनकी तो बस अनुभूति की जा सकती है। रोज ब्रह्ममुहूर्त में 3.30 बजे उठकर परमात्मा का ध्यान करता हूं, उनसे बातें करता हूं। इससे नई-नई अनुभूतियां होती हैं। स्वयं को आत्मा समझकर जब हम परमात्मा का ध्यान करते हैं तो एक समय के बाद हमें उनकी उपस्थिति की दिव्य अनुभूति होने लगती है।

सवाल: राजयोग से क्या परिवर्तन आया?

जवाब: राजयोग के अभ्यास के बाद से अब मैं स्वयं के हाथ से बना पवित्र भोजन ही स्वीकार करता हूं। आध्यात्मिकता में सबसे महत्वपूर्ण है आपका भोजन। कहा जाता है जैसा अन्न-वैसा मन। इसलिए मैं हमेशा भोजन की पवित्रता का ध्यान रखता हूं। यदि बाहर जाना होता है और भोजन बनाना संभव नहीं हो पाता है तो फलाहार पर रहता हूं।

सवाल: कभी शादी का ख्याल नहीं आया?

जवाब: जब मैं 13 वर्ष का था, तभी ईश्वर की खोज में घर छोड़ दिया था। मेरी शिक्षा-दीक्षा वाराणसी में हुई। वहां से काशी हिंदू विश्वविद्यालय से व्याकरण में डबल आचार्य की डिग्री ली। मेरा बचपन से ही संकल्प था कि मुझे मोह-माया से परे जीवन जीना है। मुझे ईश्वर को जानना है, स्वयं को जानना है। मैंने अनेक धर्म-ग्रंथ पढ़े, कई विदेशी लेखकों को पढ़ा, सभी को पढ़ने के बाद मैंने यही जाना है कि काम और कुछ नहीं हमारी मूर्खता है। हम बालू से तेल निकालना चाहते हैं। हम वहां सुख ढूंढ़ना चाहते हैं जहां सुख है ही नहीं।

रेडियो मधुबन और महिला प्रभाग का आयोजन

नारी में है दुनिया को बदलने की शक्ति: बीके सविता दीदी

आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के कम्युनिटी रेडियो स्टेशन रेडियो मधुबन (107.8 एफएम) और महिला प्रभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर शिवशक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहर की जानीं-मानीं महिलाओं ने भाग लिया। महिला प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका बीके डॉ. सविता दीदी ने कहा कि नारी शक्ति का अवतार है। नारी में अनंत शक्तियां हैं। इसलिए कभी भी नारी खुद को अबला या कमजोर नहीं महसूस करें। नारी में ही वह शक्ति है कि वह दुनिया को बदल सकते है। परमपिता परमात्मा ने भी विश्व परिवर्तन की जिम्मेदारी नारी के जिम्मे सौंपी है। डॉ. केदार ने कहा कि आज जीवन के हर क्षेत्र में नारी अपनी प्रतिभा साबित कर रही है। रेडियो मधुबन के को-ऑर्डिनेटर बीके यशवंत ने कहा कि हमारा प्रयास है नारी शक्ति को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना।

महिलाएं हो रही हैं जागरूक- हिंसा को नो प्रोजेक्ट के बारे में पवन कुनवर ने बताया कि आबू के आसपास के गांवों में महिलाओं को जागरूक करने के लिए हिंसा को नो प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। महिलाएं अब पहले की अपेक्षा पूरी निडरता और निर्भयता के साथ अपनी बात रखने लगी हैं। उनमें झिझक दूर हो रही है। इसके लिए चार गांव में महिलाओं के संगठन बनाए गए हैं। प्रत्येक सप्ताह इनकी रेडियो मधुबन की टीम द्वारा बैठक ली जाती है।

नारी खुद कर सकती है अपनी सुरक्षा- निर्भया स्क्वॉड की सीनियर कांस्टेबल सुलोचना बहन ने कहा कि नारी स्वयं ही शक्ति है। उसे बस थोड़ा उजागर करने की जरूरत है। नारी शक्ति के कई रूप हैं। जब उस पर विपदा आती है तो वह काली भी बन जाती है। वह अपनी सुरक्षा खुद कर सकती है। जब जरूरत पड़े तो बेटियों को, नारी को महाकाली का रूप धारण करना चाहिए। डरने की जरूरत नहीं है। खुद में आत्म विश्वास जगाएं। मजबूत बनें, कमजोर नहीं। निर्भया स्क्वॉड टीम का काम है जो महिलाएं घर से बाहर जाती हैं, स्कूल विद्यार्थी हैं उनकी मदद के लिए यह टीम बनाई गई है। आप निर्भर टीम के पास कॉल करके मदद ले सकते हैं। इसके लिए एक विशेष नंबर जारी किया गया है।

पढ़ाई की नहीं होती है कोई उम्र- इस दौरान रेडियो मधुबन की ओर से पढ़ाई की उम्र नहीं होती नाटक की शानदार प्रस्तुति दी गई। इसके माध्यम से संदेश दिया गया कि यदि मन में बुलंद इरादा हो, कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो हम किसी भी उम्र में पढ़ाई शुरू कर सकते हैं। जरूरत है तो हिम्मत का पहला कदम बढ़ाने की। इसलिए कभी यह न सोचें कि मेरी अब पढ़ाई की उम्र नहीं रही है। अब मेरी उम्र हो गई है। जीवन के किसी भी पड़ाव पर आप पढ़ाई कर सकते हैं। दुनिया में ऐसे कई लोग हुए हैं जिन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद पढ़ाई की है।

भजनों की प्रस्तुति से किया मंत्रमुग्ध- जिला पंचायत की पूर्व सभापति पायल परसरामपुरिया ने भी विचार व्यक्त किए। इस दौरान भजन और गीत की प्रस्तुति नंदू कुनवर की टीम ने प्रस्तुति दी। स्वागत भाषण आरजे बीके ऊषा बहन ने दिया। स्वागत नृत्य बीके निर्मला बहन ने किया। इस दौरान वूमन हेल्थ एंड लॉ प्रोग्राम की भी लांचिंग की गई। संचालन आरजे बीके आयुषी बहन ने किया। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सिरोही द्वारा आरसेटी बाजार लगाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित वस्तुएं शामिल थीं।

कटनी में विराट संत सम्मेलन आयोजित: संतों को बग्घी में विराजित कर निकाली शोभायात्रा

गीता में है विश्व की हर समस्या का समाधान

शिव आमंत्रण, कटनी, मप्र।

सिविल लाइन स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सोनालेक पेंट फैक्ट्री में सकारात्मक परिवर्तन वर्ष के अंतर्गत दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। पहले दिन विराट संत सम्मेलन और दूसरे दिन साधना पथ पर चल रहे बीके भाई-बहनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।
सर्व समस्याओं का समाधान गीता विषय पर आयोजित संत सम्मेलन में महामंडलेश्वर डॉ. शिवस्वरुपानंद ने कहा कि गीता जैसा अद्भुत ग्रंथ विश्व में कभी ना हुआ है और ना होगा। गीता में विश्व की हर समस्या का समाधान है। गीता को पढ़ने के बाद किसी दूसरे ग्रंथ पढ़ने की आवश्यकता नहीं होती है। गीता समझने के बाद किसी भी चीज को समझने की आवश्यकता नहीं होती है। आप वेद पढ़ेंगे, पुराण पढ़ेंगे, शास्त्र पढ़ेंगे इन सबको पढ़ने के बाद उसका सार ग्रहण करते है वह होता है गीता। यदि विश्व के कोने-कोने में शांति को पहुंचना है तो ब्रह्माकुमारी के संदेशों और सिद्धांतों का पालन करना होगा।

भारत को एकसूत्र में बांध रही है संस्था

सतना के आचार्य पंडित परमानंद ने कहा कि हमारा अनुभव है कि ब्रह्माकुमारी संस्था भारत को एक सूत्र में बांधने का प्रयास कर रही है। वह सूत्र क्या है- आत्मिक दृष्टि, आत्मिक भाव। धार्मिक प्रभाग की अध्यक्षा प्रयागराज इलाहाबाद की बीके मनोरमा दीदी ने कहा कि जब समर्पित का भाव प्रभु पिता के प्रति वह स्वरूप ले लेता है तो निश्चित है समाधान स्वत मिलने लग जाते हैं और जिस मंच में हमारे इन संतों का सहयोग हो समागम का सानिध्य मिल जाए तो वह मंच धन्य हो जाता है। चंडीगढ़ के राधेश्याम भाई ने कहा कि हमारे मन में हर किसी के प्रति शुभ भावना होनी चाहिए। परमात्मा ने जिस काम के लिए यहां भेजा है क्या मैं वही काम कर रहा हूं या कुछ और कर रहा हूं। इस बात का हमेशा ध्यान रखेंगे तो जीवन में कभी भी गलत कर्म नहीं होंगे।

इंदौर जोन के धार्मिक प्रभाग के संयोजक बीके नारायण भाई ने कहा कि हमारे अंदर दिन-प्रतिदिन जो बुराइयां, बदले की भावना, नफरत की भावना का बहुत बड़ा वृक्ष पैदा होता जाता है। अगर इस तरह का वृक्ष बुराई का बनता जाएगा तो हम समाज के अंदर सौहार्द्र, समरसता की बात करते हैं तो वह एक कल्पना मात्र ही रह जाती है। जब बदले की भावना का त्याग करेंगे तभी हम आत्मिक चिंतन, सच्ची सुख शांति का अनुभव कर सकते हैं।
महापौर प्रीति संजीव सूरी ने बीके मनोरमा दीदी को अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके लक्ष्मी दीदी ने सभी का सम्मान किया। बीके भारती दीदी ने राजयोग से सभी को गहन शांति की अनुभूति कराई। इस मौके पर रायपुर के महंत विभामुनि महाराज, अयोध्या धाम के श्रीवत्स महाराज, श्रीलक्ष्मी-नारायण मंदिर से नीलेश पाठक महाराज, विलायत कला से त्यागी महाराज रामचंद्र तिवारी, चमन लाल आनंद, पंडित प्रकाश भौमिया, सनत परौहा ने सहित हजारोंकी संख्या में लोग मौजूद रहे। सम्मेलन में सभी संतों का विशेष रूप से पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया।

रजत जयंती और शिलान्यास महोत्सव: ईश्वरीय सेवाओं के 25 वर्ष पूर्ण

राजकोट में नए सेवाकेंद्र की रखी आधारशिला

शिव आमंत्रण, राजकोट/गुजरात।

राजकोट के अवधपुरी विस्तार में नए सेवाकेंद्र के निर्माण का शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज के अतिरिक्त महासचिव बीके राजयोगी बृजमोहन भाई ने कहा कि भूमिपूजन में पंच धातु डालते हैं। इस भूमि ने सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलयुग देखा है इसीलिए सोना, चांदी, कॉपर, डायमंड डालते हैं। अब जल्द से फिर से वो स्वर्णिम दुनिया आएगी। अहमदाबाद मणिनगर सबजोन की प्रभारी बीके नेहा बहन ने कहा कि परमात्मा का यह नया सेवा स्थान सभी के तन-मन-धन, श्वास, संकल्प, समय रूपी अंगुली देने से जल्द से जल्द बनकर तैयार हो जाएगा, ऐसी शुभभावना है।

इस दौरान सभी अतिथियों ने मिलकर भूमिपूजन कर नए श्रेष्ठ संकल्पों से एक-एक ईंट की नींव लगाई। इनमें यज्ञ के आदि रत्नों के नाम पर पिलर्स के अलौकिक नाम लिखे गए थे। राजकोट अवधपुरी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रेखा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

महापौर नैनाबेन पेढ़डीया ने कहा कि समय के अनुसार लोगों की शांति के लिए बढ़ रही जरूरत के हिसाब से जो आज का भूमिपूजन हुआ, इसके हम सब साक्षी रहेंगे। इस कार्य में हमें अपना सहयोग

जरूर देना चाहिए। मैं ब्रह्माकुमारी संस्था में समर्पित बहनों के श्रेष्ठ कार्य का शब्दों से वर्णन नहीं कर सकती हूं। गुजरात जोन इंचार्ज बीके भारती दीदी ने कहा कि संकल्पों में बहुत बड़ी शक्ति होती है। अच्छे, पावरफुल, वाइब्रेशन और संकल्प भूमि को हराभरा और प्रफुल्लित करने में मदद करते हैं। वहीं रणछोड़ नगर विस्तार में आध्यात्मिक सेवाओं के 25 वर्ष की यात्रा का रजत जयंती महोत्सव मनाया गया। सेवाओं को यहां तक पहुंचाने वाले भाई-बहनों का सम्मान किया गया।

ब्रह्माकुमारीज़ सहजता, सरलता से सिखा रही है जीवन जीने की कला

शिव आमंत्रण, नवा रायपुर, छग

ब्रह्माकुमारीज द्वारा नवा रायपुर के सेक्टर-20 स्थित एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड -शान्ति शिखर में महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया गया। इसमें कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि शान्ति शिखर भवन में आयोजित प्रदर्शनी मनुष्यता के सही अर्थ को परिभाषित कर सुख, शान्ति और सौहार्द्र का पथ प्रदर्शित करती है। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा जीवन को जीने की कला को जिस सहजता और सरलता से सिखाया जाता है वह सराहनीय है। वास्तव में इसी से वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना साकार होगी।

गृह सचिव अरुण देव गौतम ने कहा कि यहां आकर द्वादश ज्योतिर्लिंग का एक जगह दर्शन करने का सौभाग्य मिला। यह झांकी बहुत ही सुन्दर एवं रोचक होने के कारण सभी के लिए दर्शनीय है। प्रदर्शनी से जीवन की अनेक समस्याओं का अध्यात्म द्वारा समाधान करने की प्रेरणा मिलती है। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिरीक्षक साकेत कुमार सिंह ने कहा कि यहां आकर असीम शान्ति की अनुभूति हुई। इससे शिव भक्तों को आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग को जीवन में अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।

रायपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि महाशिवरात्रि त्योहार परमात्मा शिव के दिव्य अवतरण का यादगार है। जब इस धरा पर चारों ओर अज्ञान-अंधकार छाया होता है तथा मनुष्यात्माएं काम, क्रोध, लोभ, मोह एवं अहंकार रूपी विकारों के वशीभूत हो जाती हैं तब ऐसे अति धर्म ग्लानि के समय पर मनुष्यों को निर्विकारी और पवित्र बनाने के लिए परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण इस धरा पर होता है। अटल नगर की संचालिका ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी ने राजयोग मेडिटेशन से सभी को शांति की गहन अनुभूति कराई।

हम स्वयं के संस्कारों में परिवर्तन करें: बीके शिवानी दीदी

लखनऊ में सही ढंग से जीने, सही सोचने, हमेशा सही कर्म करने के रहस्यों को जानें विषय पर महोत्सव आयोजित

शिव आमंत्रण, लखनऊ, उप्र।

ब्रह्माकुमारीज की ओर से सही ढंग से जीने, सही सोचने, हमेशा सही कर्म करने के रहस्यों को जानें विषय पर जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के ऑडिटोरियम में महोत्सव आयोजित किया गया।

इसमें अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रेरक वक्ता शिवानी दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता जीवन का एक आवश्यक अंग बन गया है। आध्यात्मिकता एक ऐसा लाइफ स्किल है, जिसे सीखने से हम दैनिक कार्य करते हुए भी, एक सही सोच और सही कार्य विधि से जीवन में खुशियां प्राप्त कर सकते हैं। परिस्थितियों से ज्यादा शक्तिशाली स्व-स्थिति होती है। हम स्वयं को शक्तिशाली बनाकर किसी भी बाह्य स्थिति या व्यक्ति का सामना बड़े ही सहज भाव से कर सकते हैं। तनाव होना तो अब बीते जमाने की बात होती जा रही है, आजकल तो बच्चे भी अवसाद का शिकार होते जा रहे हैं। बच्चों की इस स्थिति के ज्यादा जिम्मेदार अभिभावक हैं। क्योंकि वह बच्चों को कठिन परिस्थितियों का सामना, मजबूत आंतरिक स्व-स्थिति से कैसा किया जाता है, जीवन से व्यावहारिक अनुभव नहीं दे पा रहे हैं। उनको केवल कड़ी शिक्षाएं देने से यह शक्ति उनके अंदर जागृत नहीं की जा सकती है। जरूरत है कि हम स्वयं के संस्कारों में परिवर्तन करें तो हमारे संस्कारों को देखकर बच्चे तो स्वतः परिवर्तित होने लगते हैं।

आत्मिक स्थिति शक्तिशाली बनाएं...

जब तक हम स्वयं की आत्मिक शक्ति को जागृत करके मानसिक रूप से सशक्त नहीं बनते हैं, हमारी आने वाली पीढ़ी भी शक्तिशाली नहीं हो पाएगी। हमारी आंतरिक खुशी एक शक्तिशाली मानसिक स्थिति पर निर्भर होती है। हमें व्यक्तियों, परिस्थितियों, साधनों से मुक्त, खुशी के संस्कार को जीवन में धारण करना सीखना होगा। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने उपस्थित जनों को राजयोग का अभ्यास कराके समापन किया।

इस मौके पर आईएएस जितेंद्र कुमार गुप्ता, फायर डीजी अविनाश चंद्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ सम्मानित अतिथिगणों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों ने कबीर के दोहों पर मनोहर नृत्य की प्रस्तुति दी।

ब्रह्माकुमारीज लखनऊ की निदेशिका ब्रह्माकुमारी राधा दीदी ने सभी आगंतुकों एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आध्यात्मिकता केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिकता का अंग बन सके, इस पर जोर देना होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे।

कुछ भी हो जाए लेकिन जीवन में शांति नहीं गंवाना है

शिव आमंत्रण, अमरेली, गुजरात।

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा शान्त मन खुशनुमा जीवन महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें विश्व प्रसिद्ध मोटिवेशनल वक्ता बीके शिवानी ने कहा कि बातें जीवन में आएंगी लेकिन बातों के कारण खुशी और शांति को नहीं गिराना है। शांति के सागर के बच्चे हैं और हम मांग रहे कि हमें शांति चाहिए। शांति है लेकिन गंवाना नहीं है। सारा दिन अपने हाथ में पानी का गिलास लेकर चलना है काम करना है सबसे मिलना है कारोबार करना है सब कुछ करना है लेकिन ध्यान रहे ग्लास गिरना नहीं चाहिए। इस तरह सारा दिन सब काम आदि करना है लेकिन ध्यान रहे शांति, खुशी गिरनी नहीं चाहिए। उसे गंवाना नहीं है। जैसे सफेद कपड़ा पहना है तो ध्यान रखते हैं दाग पड़ना नहीं चाहिए। इस तरह ध्यान रखे की सफेद मन पर दाग लगना नहीं चाहिए। सारा दिन कुछ भी हो जाए ध्यान रखना है गुस्सा नहीं करना है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गीता बहन ने स्वागत भाषण दिया। इस मौके पर हजारों की संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

हमारे विचार उत्पन्न करते हैं ऊर्जा

शिव आमंत्रण, कोलकाता। ब्रह्माकुमारीज कोलकाता संग्रहालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर भारतीय संग्रहालय में प्रेरक स्वयं और परिवार विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव आईएएस स्मिता पांडे, सार्वजनिक उद्यम और उद्योग पुनर्निर्माण विभाग की आईएएस सी हैताली चक्रवर्ती, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की विशेष आयुक्त शांति दास बसाक, मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष ऋचा अग्रवाल, सेंटर फॉर क्रिएटिविटी ग्रुप हेड उपाध्यक्ष सोमा चक्रवर्ती, पश्चिम बंगाल के पूर्व डीजीपी डॉ. सायन भट्टाचार्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। प्रभारी राजयोगिनी बीके कानन दीदी ने कहा कि हमारे विचार ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। सकारात्मक सोच सकारात्मक ऊर्जा पैदा करती है और नकारात्मक सोच नकारात्मक ऊर्जा पैदा करती है। यह ऊर्जा कंपन के रूप में वायुमंडल में फैलती है। जब हम दूसरों के बारे में सकारात्मक सोचते हैं तो इससे अच्छी भावनाएं पैदा होती हैं और परिवार में खुशियां आती हैं। प्रमुख सचिव आईएएस नीलम मीना ने कहा कि हम अतीत के बारे में थोड़ा सोचते हैं जो दुख लाता है। स्वयं और दूसरों को प्रेरित करने के लिए जीवन के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। शिक्षा प्रभाग की बीके सुप्रिया बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन बीके चंद्रा बहन ने किया।

संबलपुर में आध्यात्मिक समारोह: 30 साल से संयम पथ पर चल रहे 65 युगलों का किया सम्मान

22 बेटियों ने विश्व कल्याण में संयम का मार्ग अपनाया

शिव आमंत्रण, सम्बलपुर, उड़ीसा।

ब्रह्माकुमारीज के पावन सरोवर रिट्रीट सेंटर में विशाल आध्यात्मिक समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के नवनिर्मित सेवाकेंद्र तृप्ति भवन का उद्घाटन माउंट आबू से पधारीं अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई, सम्बलपुर सबजोन निदेशिका राजयोगिनी पार्वती दीदी सहित अन्य वरिष्ठ बीके भाई-बहनों ने किया।

इसके बाद अलौकिक समर्पण समारोह आयोजित किया गया। इसमें 22 बेटियों ने त्याग, तप, तपस्या और संयम के मार्ग पर चलते हुए आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत के पालन और ईश्वरीय सेवा का संकल्प लिया। परमपिता शिव को जीवन साथी के रूप में स्वीकारते हुए वरमाला पहनाई। महोत्सव के पूर्व शिव दर्शन भवन से पावन सरोवर तक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इसमें तीन सुसज्जित रथों में समर्पण करने वाली ब्रह्माकुमारी बहनों को विराजित किया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विकाश ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक भास्कर राव, त्रिलोचन नेत्रालय के प्रतिष्ठाता डॉ. शिव कुमार साहू, लोकायुक्त सदस्य देवव्रत स्वाईं, बुर्ला प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति वंशीधर माझी, गंगाधर मेहेर विश्वविद्यालय के कुलपति एन. नागराजू, सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर के डीआईजी संजय कुमार सिंह, ओडिशा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अर्क कुमार दास महापात्र, पब्लिक एंटरप्राइजेज डिपार्टमेंट के विशेष सचिव निहार रंजन दास विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा 20 से अधिक वर्ष से संयम पथ पर चल रहे 65 जोड़ी युगलों का सम्मान किया गया।

शाम को स्वर्णिम विचार से स्वर्णिम संसार विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अतिथि के रूप में उत्तरांचल पुलिस निरीक्षक हिमांशु लाल, एमसीएल, बुर्ला के सीएमडी उदय ए. काउले, आईआईएम के निदेशक महादेव जैसवाल, सीईओ गजानन काले मौजूद रहे। माउंट आबू से आए बीके विवेक भाई, बीके श्रीनिधि भाई, बीके दीपा बहन ने मंच संचालन किया। उड़ान ग्रुप के कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति दी। बीके शिविका बहन ने राजयोग का अभ्यास कराया। छह हजार से अधिक लोग मौजूद रहे।

सकारात्मक संकल्पों से होगा जीवन का परिवर्तन

शिव आमंत्रण, करोल बाग, नई दिल्ली।

44वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर केंद्रीय सरकार आवासीय परिसर, देव नगर कारोल बाग क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ पांडव भवन द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विधायक रवि भाई ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सिखाए जाने वाले योग की आवश्यकता आज सभी को है। शब्दों से सिद्ध न होने वाला कार्य भी मौन से सिद्ध होता है।

निदेशिका राजयोगिनी बीके पुष्पा दीदी ने ओम शांति का अर्थ समझाते आत्मा के सत्य स्वरूप का विस्तार करते, परमात्मा की पहचान से रूबरू कराया। सकारात्मक संकल्पों से और परमात्मा के साथ सर्व संबंधों से जीवन को सुखमय बनाने के प्रेरणा भी दी। शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष एवं पूर्व निगम पार्षद बहन मनदीप कौर बक्शी ने कहा की जीवन में सुख और शांति प्राप्त करने का मार्ग ब्रह्माकुमारीज़ सिखाते हैं। जब से मैं इस संस्था से जुड़ी हूं , बड़े से बड़ी समस्या आसानी से पार कर लेती हूं। बीके विजय बहन ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार के जॉइंट डायरेक्टर इंद्रजीत, आधार स्तंभ टाऊनशिव के डायरेक्टर अनिल गर्ग, कोस्टल गार्ड के असि. कमांडेंट राकेश चौहान, असि. सेक्शन ऑफिसर विनय कुमार भ्राता अरोरा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। संचालन डॉ. दिनेश भाई ने किया।

संस्कार से संस्कृति, संस्कृति से संसार परिवर्तन होता है

शिव आमंत्रण, खजुराहो, मप्र।

ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर शिव जयंती महोत्सव मनाया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके विद्या बहन सभी को शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताया। बड़ामलहरा उपसेवा केंद्र प्रभारी बीके रूपा बहन ने कहा कि सभी लोग संसार और संस्कृति के परिवर्तन की बात करते हैं। लेकिन ब्रह्माकुमारी विद्यालय एक ऐसा विद्यालय हैं जो पहले संस्कार परिवर्तन करता हैं और संस्कार से संस्कृति, संस्कृति से संसार स्वतः परिवर्तन हो जाएगा।

बिजावर उप सेवाकेंद्र प्रभारी बीके प्राची बहन ने कहा कि जब हमारे पिता परमात्मा शिव भोलेनाथ हैं सबको खुशियां देने वाले हैं, सुख देने वाले हैं तो हम भी इस महाशिवरात्रि पर सबको दुआएं देने का, सुख देने का, खुशियां देने का लक्ष्य रखें। क्योंकि शिव परमात्मा का अवतरण एक मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना करने के लिए होता है। परमात्मा शिव मूल्यनिष्ठ समाज की नई आशाएं लाते हैं, जब-जब परमात्मा आते हैं एक स्वर्णिम संसार बनाते हैं।

सीआईएसफ से परमानंद वर्मा ने कहा कि अपने जीवन में धारण कर पाते हैं

यह बात ज्यादा महत्व रखती है सुनने की अपेक्षा सुनते तो सभी हैं पर जीवन में हम कितना धारण कर पाते हैं ,तो आज यहां हम सभी ने जो भी सुना हैं वह अपने जीवन में धारण करने का लक्ष्य रखें। एसबीआई बैंक मैनेजर राघवेंद्र सिंह, युवा महिला मोर्चा अध्यक्ष निधि सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नारी को अपने अंदर की शक्ति जागृत करने की आवश्यकता है

शिव आमंत्रण, अम्बिकापुर, छग।

ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्व भवन चोपड़ापारा में महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण के लिए परमात्मा शिव द्वारा सकारात्मक परिवर्तन विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने कहा कि नारी में अदम्य शक्ति व अदम्य साहस है। मातृ शक्ति यदि चाह ले तो वो अपने घर, समाज व देश को स्वर्ग भी बना सकती है और नर्क भी। इसी साहस व शक्ति को देखकर भगवान ने भी माताओं के सिर पर ज्ञान का कलश रखा है। इसलिये आदि शक्ति माताओं और बहनों के अन्दर की शक्ति को जागृत करने की आवश्यकता है।

समाजसेविका शिल्पा पाण्डे ने कहा कि महिला शक्ति सशक्त तभी बन सकती है, जब एक महिला शक्ति, दूसरे महिला शक्ति को सहयोग और सम्मान करें और उसको इज्जत दे, तो महिला सशक्तिकरण का संकल्प पूर्ण होगा। केआर टेक्निकल कॉलेज की डायरेक्टर रीनू जैन ने कहा कि राजयोग के माध्यम हम सकारात्मकता की ओर जाते हैं। सकारात्मक होने के लिए बिजी रहना अति आवश्यक है। जो भी हुनर जिसमें है- उसी में आगे आएं।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष फुलेश्वरी बहन ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा दिए जा रहे ज्ञान को जीवन में अमल करने से निश्चित रूप से फायदा होता है। इस मौके पर हॉली क्रास हॉस्पिटल की व्यवस्थापिका सिस्टर ममता टोप्पो, डीएसपी महालक्ष्मी बहन, सरस्वती शिशु मन्दिर की प्राचार्या मीरा साहू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

शिव जयंती: ज्योतिर्लिंग मेले का आयोजन

शिव आमंत्रण, अलकापुरी/वड़ोदरा (गुजरात)। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र द्वारा महाशिवरात्रि पर शिव जयंती और नारी सम्मान आरती उत्सव मनाया गया। सर्वप्रथम 12 ज्योतिर्लिंग के साथ शोभायात्रा निकाली गई। बाद में दो दिवसीय द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन और शिव सन्देश प्रदर्शनी लगाई गई। राजयोगिनी निरंजना दीदी ने शिवरात्रि की महिमा बताते हुए महिला दिवस पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ सेल्फ गवर्मेंट की हंसाबेन पटेल, इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंटीरियर डिज़ाइनर की स्नेहाबेन पटेल, डॉ. अनिलभाई, बीके मीना दीदी, प्रवीणभाई पटेल, राजयोगी नरेन्द्रभाई, हिरेन भाई सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद रहे। बालिकाओं ने सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस दौरान शिव ध्वजारोहण कर सभी को शिव ध्वज के नीचे जीवन में सदा सकारात्मक और श्रेष्ठ कर्म करने का संकल्प दिलाया गया।

शिव आमंत्रण, राजगढ़, मप्र। तीन दिवसीय परमात्म अनुभूति शिविर सुख को जीवन में आने का अवसर दो विषय पर आयोजित किया गया। प्रताप सिंह सिसोदिया, बल्लभ दास चौरसिया, रिटायर्ड एसडीओ आरसी शर्मा, राजेंद्र जोशी, रमेश चंद्र गुप्ता, बीके मधु बहन, बीके सुरेखा बहन मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, रतलाम, मप्र। डोंगरे नगर स्थित दिव्य दर्शन भवन के अनुभूति सभागृह में शिवजयंती और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। बीके अनिता दीदी, सेवाकेंद्र संचालिका बीके सविता दीदी, एएसपी राकेश खाखा, प्रबंधक अरुण कुमार, प्रबंधक अम्बर जोशी व अन्य मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, सुंदरनगर, हिमाचल प्रदेश। निहरी शाखा द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंगम शोभायात्रा, झांकी निकाली गई। इस मौके पर बीके नवीना दीदी ने हरी झंडी देकर रवाना किया। शोभायात्रा में द्वादश ज्योतिर्लिंग को 12 विभिन्न कारों के ऊपर सुसज्जित कर विराजित किया गया था।

शिव आमंत्रण, अमानगंज, (पन्ना, मप्र)। गीता पाठशाला पर आयोजित कार्यक्रम में गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रहीं सेवाओं की सराहना की। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष सारिका बहन, पन्ना सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता बहन सहित अन्य भाई-बहनें मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, कादमा (हरियाणा)। 88 वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती शिव ध्वजारोहण किया गया। क्षेत्रीय प्रभारी बीके वसुधा बहन ने कहा कि परमात्मा शिव विकारों के अंधकार को मिटा कर दिव्य ज्ञान, गुण और शक्ति से प्रकाशित कर समाज को मूल्यनिष्ठ बनाकर एकता के सूत्र में बांधते हैं। झोझू सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ज्योति बहन ने सभी को प्रतिज्ञा कराई।

क्षमा करना और क्षमा मांग लेना मन को शांति और खुशी प्रदान करता है

ब्रह्माकुमारीज़ में आयोजित खुशियों का पासवर्ड कार्यक्रम में पहुंचे गणमान्य नागरिक

शिव आमंत्रण, बैतूल, मप्र

क्षमा करना और क्षमा मांग लेना मन को शांति और खुशी प्रदान करता है। हम कई पुरानी बातों को अपने मन में गांठ बनाकर रखते हैं और यही गांठे बाद में हमारे दुख का कारण बनती हैं। इससे अच्छा है सामने वाले को क्षमा कर दें और बातों को भूल जाएं। अगर हमने कोई गलती की हो तो उसके लिए सामने वाले व्यक्ति से क्षमा मांग लें। ऐसा करने से हमारा मन हल्का होता है और खुशियों का दरवाजा खुल जाता है। इससे हम खुश रह सकते हैं और सामने वाले को भी खुशी दे सकते हैं। आज सांसारिक जीवन में कई ऐसी परिस्थितियों निर्मित होती हैं जो हमारे वश में नहीं होती हैं। इसके लिए हमें धैर्य रखकर मन को नकारात्मकता से बचाना होगा ताकि हमारा आत्मबल बना रहे।

यह बातें मुंबई से पधारे कॉरपोरेट ट्रेनर और लाइफ कोच डॉ. सचिन परब ने ब्रह्माकुमारीज़ के भाग्य विधाता भवन में आयोजित दो दिवसीय सेमिनार खुशियों का पासवर्ड में बताईं। उन्होंने लोगों को कई ऐसे तरीके बताएं जिसको अपना कर जीवन आसान बन सकता है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने बताया कि सेमिनार में लोगों को बहुत सी नई बातें सीखने को मिली, जिसके द्वारा उनको अपने जीवन में आने वाली परिस्थितियों व्यक्तियों को किस तरह रेस्पांस करना है, यह सीखने को मिला। डॉ. परब ने राजयोग मेडिटेशन की प्रैक्टिस कराते हुए कहा कि राजयोग पारिवारिक, सामाजिक तथा व्यावसायिक

शिव आमंत्रण, भरतपुर, राजस्थान। विश्व शांति भवन भरतपुर पर त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव के अवसर पर शिव ध्वजा रोहण करते हुए राजयोगिनी ब्र. कु.कविता दीदी आगरा सब जोन सह प्रभारी भरतपुर सेवा केंद्र प्रभारी,डॉ.देशराज सिंह जी ,अतिरिक्त निदेशक कृषि संभाग भरतपुर। भ्राता अनुराग गर्ग जी, राष्ट्रिय उपाध्यक्ष ,अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन दिल्ली ,वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.बबीता दीदी रूपबास सेवाकेंद्र प्रभारी एवं ब्र. कु.पूनम बहिन प्रभारी सीकरी ,ब्र. कु.प्रवीणा बहिन ,ब्र. कु.गीता बहिन प्रभारी भुसावर।

डोंबिवली में गुड़ी पाड़वा पर निकाली शोभायात्रा

शिव आमंत्रण, डोंबिवली, मुंबई

शहर के सुप्रसिद्ध मंदिर गणेश मंदिर की अध्यक्षता में पिछले 26 वर्ष से गुड़ी पाडवा पर नव वर्ष स्वागत यात्रा का आयोजन किया जाता है। इसमें घाटकोपर सबजोन के सह संचालिका बीके शकु दीदी के मार्गदर्शन में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा होलिस्टिक वैलनेस प्रोजेक्ट के तहत बनाए गए मॉडल की शोभायात्रा निकाली गई। इससे संदेश दिया गया कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ, मानसिक स्वास्थ्य बहुत जरूरी है। दोनों में संतुलन होगा तब ही मनुष्य सुख शांति का जीवन अनुभव कर सकते हैं। शोभायात्रा में भाई-बहनों ने बाबा का झंडा, पॉजिटिव हेल्थ स्लोगन, बैनर लेकर शामिल हुए। बीके तेजा बहन, बीके संगीता बहन शामिल हुए।

समस्या- समाधान

हमारा पूरा जीवन हो योगयुक्त, तपस्यामय

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

इस योगयुक्त जीवन में अपने को पूर्वज समझ कर रहना होगा। हम पूर्वज हैं, पालनकर्ता हैं। हमारे वाइब्रेशन का इफेक्ट पूरे कल्पवृक्ष पर पड़ता है। पूरे संसार में फैलेगा। योगी को पूरे संसार के लिए योगी बनना है। बाबा कहते हैं बच्चे 8 घंटे नींद करो, 8 घंटे काम कर लो, 8 घंटे मुझे याद करो। 8 घंटे रोज मुझे याद करो पर अनेक बाबा के बच्चे अंदर ही अंदर उत्तर दे देते हैं यह काम अपना नहीं है। अपने से नहीं होगा, हम तो गृहस्थी हैं। यह सब तो समर्पित दीदियां और भाई करेंगे। इन्हों को कोई काम नहीं है और दीदी कहती हम सेवाओं में बहुत बिजी हैं। गिनी-चुनी आत्माएं ही सोचती हैं- भगवान कह रहा है तो हम जरूर करेंगे। 4 घंटा तक पहुंचेंगे आगे फिर 5-6-7-8 घंटे तक भी करूंगा।

बाबा ने कहा अगर विजयमाला में आना है तो याद की रेस करो। जिन्हें अच्छा योगी बनना है वह 10-10 मिनट योग से शुरुआत कर सकते हैं। दिन में 4-6 बार बाबा को 10-10 मिनट अच्छे संकल्पों के साथ याद करें। इससे सारा दिन योगयुक्त रहने में मदद मिलेगी। साथ ही बीच-बीच में बाबा की स्मृति रहने से योग का चार्ट भी बढ़ता जाएगा।

बार-बार के अयास से ही होगा योग सफलः जो बहुत अभ्यास करते हैं योग उनका ही सफल होता है। अभिमन्यु की तरह अपने ऊपर माया का चक्रव्यू बनवाना है या रास्ता क्लीयर रखना है, आपके हाथ में है। योग नहीं होता तो अनेक व्यर्थ संकल्प हमारे चारों ओर जाल-जंजाल बना देते हैं। योग एक अस्त्र है जो इस जंजाल को काट देता है। अपने घरों में कम से कम दिन में पांच बार बाबा का आह्वान करें। आपको बहुत सुंदर अनुभव होंगे। योग अभ्यास करते समय ही बाबा का आह्वान करें। बापदादा दोनों को बुलाओ। देखो दोनों उतरते-उतरते आपके घर में आ गए। ब्रह्मा बाबा मस्तक में शिव बाबा दोनों मेरे घर में खड़े हैं। किरणें फैल रही हैं, पूरा घर पवित्र किरणों से भर गया है। बाबा दृष्टि दे रहे हैं। पूरे घर में घूम रहे हैं। बाबा का हाथ पकड़ो, उनको दोस्त बनाकर घूमो।

एक स्लोगन प्रायः सभी सेंटर्स पर लगा हुआ होता है मेरे बाबा, मीठे बाबा आ जाओ मेरी मदद करो। बाबा बंधा हुआ है हम बच्चों की मदद के लिए। भगवान को बच्चे बुलाएं और बाप ना आएं यह हो नहीं सकता तो हमें बुला लेना चाहिए। बस आह्वान करो। फूल अगरबत्ती थोड़ी ही जलानी है न ही पूजा करना है। बस बुला लो मदद मिलनी शुरू हो जाएगी। आप कहीं पैदल जा रहे हों और राह भटक गए। कोई रास्ता बता दे तो खुश हो जाओगे। उसे धन्यवाद देंगे। इसी तरह जब भी कठिनाई महसूस हो तो बाबा को बुलाएं, बाबा का आह्वान करें।

जब तक मन में नफरत है योगी नहीं बन सकतेः यदि हमारे मन में किसी के प्रति नफरत या द्वेष भाव है तो हम योगी नहीं बन सकते हैं। सोचो कितना सुंदर भाग्य है हमारा कि मुझे भगवान मिला है। द्वापर काल से आपने सुना होगा बहुत सारी कहानियां। जो भी भगवान के मार्ग पर चला उसको किसी ने साथ नहीं दिया। लोग क्या कहेंगे यह नहीं सोचना है। बाबा मुझे क्या कह रहा है वह करना है। हमें तपस्या करनी है। पहला आत्मअभिमानी होने की, दूसरा आत्मिक दृष्टि की तपस्या, तीसरा संपूर्ण पवित्रता की तपस्या, चौथा बुद्धि को स्थिर करने की तपस्या और पांचवा स्वमान की तपस्या।

- राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

ऐसे करें योग की शुरुआत

संकल्प करें मैं मास्टर ज्ञान सूर्य हूं... मुझसे निकली शक्तियों की किरणों से माया के कीटाणु नष्ट हो जाते हैं... मस्तक के मध्य भृकुटी सिंहासन पर विराजमान मैं मास्टर ज्ञान सूर्य हूं.... मुझ से किरणें निकलकर चारों ओर फैल रही हैं। ऊपर परमधाम में ज्ञान सूर्य पर बुद्धि को स्थिर कर दें... ऊपर ज्ञान सूरज की शक्तियों की किरणें मुझ पर पड़ रही हैं... मुझसे चारों ओर फैल रही हैं... मैं पवित्रता का फरिश्ता हूं... पवित्रता की देवी हूं... परमधाम में पवित्रता के सागर की पवित्र किरणों की मुझ पर बरसात हो रही है...इस तरह का अभ्यास दिन में बीच-बीच में करते रहें।

पांच दिन में करें पांच तरह का योग...

बापदादा के साथ 5 दिन में 5 तरह के योग करें। कभी अनुभव करें बाबा ने आते ही अपना वरदानी हाथ मेरे सिर पर रख दिया है। दूसरे दिन अनुभव करें बापदादा की हजारों भुजाएं मेरे सिर के ऊपर फैला दी गई हैं जो मेरी छत्रछाया बनकर मेरे साथ हैं। तीसरे दिन अभ्यास करें बाबा के साथ मैं पूरे घर में घूम रहा हूं। चौथे दिन बाबा के साथ डांस करें। बाबा के साथ रास मिलन करें। भोजन बनाते समय बाबा को बुलाओ। आओ मदद करो मुझे। आदत डालो याद करने की। कितना सुंदर मौका दिया है बाबा ने मुझे। पांचवे दिन बाबा को अपना साथी बनाकर याद करें। इस तरह अलग-अलग तरह के अभ्यास से योग में सुंदर अनुभव होने लगेंगे।

ईश्वरीय सेवा में छतरपुर की दो बहनों ने किया जीवन समर्पित

प्रभु के दिए जीवन को सेवा में लगाना ही सच्चा समर्पण है : बीके शैलजा दीदी

शिव आमंत्रण, छतरपुर, मप्र।

ब्रह्माकुमारीज के किशोर सागर सेवाकेंद्र पर समर्पण समारोह आयोजित किया गया। इसमें गढ़ी मलहरा एवं ग्राम गोरारी से कुमारी प्रभांशी और कुमारी प्रीति ने संयम पथ पर चलते हुए अपना जीवन प्रभु की सेवा में अर्पण करने का संकल्प किया। इसके पूर्व दोनों बहनों को बग्घी में विराजित कर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जगह-जगह पंडाल लगाकर फल, शरबत, ठंडे पानी के द्वारा उत्साह से लोगों ने स्वागत किया। नगर परिषद अध्यक्ष नीता अहिरवार ने स्टाफ के साथ दोनों बहनों को सम्मानित किया।

समारोह में छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने कहा कि समर्पण प्रभु के प्रति प्रेम की पराकाष्ठा है जो ईश्वरीय नवनिर्माण के कार्य में विश्व सेवा के लिए अपना तन-मन सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा देता है। जिंदगी भगवान की दी हुई अमानत है और उसे भगवान की सेवा में लगाना ही सच्चा समर्पण है।

इस मौके पर नौगांव सेवाकेंद्र प्रभारी बीके नंदा दीदी, हरपालपुर से बीके आशा दीदी, बिजावर से बीके प्राची दीदी, लवकुश नगर से बीके सुलेखा दीदी, खजुराहो से बीके नीरजा बहन, बीके द्रौपती बहन, बीके ऊषा बहन, बीके नम्रता बहन सहित छतरपुर की समस्त बहनें उपस्थित रहीं। संचालन बड़ामलहरा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूपा दीदी ने किया।

गीता ज्ञान सिखाता है जीवन जीने की कला

शिव आमंत्रण, रीवा, मप्र।

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा श्रीमद् भागवत गीता ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें श्रवण करने विशेष रूप से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष व वर्तमान विधायक गिरीश गौतम एवं रीवा रियासत के युवराज विधायक दिव्यराज सिंह पधारे। कथावाचक बीके भारती दीदी ने कहा कि गीता ज्ञान हमें जीवन जीने की कला सिखाता है और कर्म कौशल का ज्ञान मिलता है। सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी ने सभी का आभार माना।

जल जन अभियान: जल का महत्व बताया

शिव आमंत्रण, इंदौर, मप्र।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रेमनगर सेवाकेंद्र पर जल दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जल प्रदाय नगर पालिक निगम इंदौर के कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव, डॉ. अर्जुन वाधवानी, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शशि दीदी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बिजलपुर उपसेवाकेंद्र प्रभारी यशवनी बहन ने कविता के माध्यम से जल बचाने व उपयोग के बारे में बताया। बैराठी कॉलोनी उपसेवाकेंद्र प्रभारी बीके शारदा दीदी ने राजयोग मेडिटेशन से शांति की गहन अनुभूति कराई। कु. चंचल और कु. कौशिकी ने स्वागत नृत्य पेश किया।

शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला आयोजित

शिव आमंत्रण, दुर्ग, छत्तीसगढ़। आनंद सरोवर बघेरा में शिव दर्शन आध्यात्मिक मेले का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन विधायक गजेंद्र यादव, पार्षद नरेश तेजवानी, सेवा केंद्र संचालिका बीके रीता बहन ने दीप प्रज्वलित कर किया। श्रद्धालुओं के लिए झांकी सजाई गई थी।

कथावाचक पं. मिश्रा का किया सम्मान

शिव आमंत्रण, नवापारा/राजिम, छग। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के नगर आगमन पर सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी एवं इंदौर जोन के धार्मिक प्रभाग के संयोजक ब्रह्माकुमार नारायण भाई ने मुलाकात कर सम्मान किया।

अंदर की बुराइयों को त्यागने का संकल्प लें

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद, हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र सेक्टर-21 डी में 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में पधारीं राजयोगिनी बीके चक्रधारी दीदी ने कहा कि शिवरात्रि का वास्तविक अर्थ है अज्ञान अंधकार रूपी रात्रि में परमपिता शिव परमात्मा अवतरित होकर मनुष्य आत्माओं को गीता ज्ञान और सहज राजयोग की शिक्षा देते हैं। वह हमें व्यसन, विकार, बुराइयां रूपी घोर रात्रि से निकाल स्वर्णिम दुनिया में जाने का रास्ता बताते हैं। शिवरात्रि हमें संदेश देती है कि जो बुराइयां हमारे अंदर हैं उनका त्याग करना है। जीएसटी कमिश्नर प्रमोद कुमार ने कहा कि संस्था द्वारा सामाजिक कल्याण में सराहनीय सेवाएं की जा रही हैं। दिल्ली से पधारे गौलोक धाम आश्रम के महंत सुखदेव गिरी महाराज, फरीदाबाद से पधारे जय सच्चिदानंद महाराज ने कहा कि हम सभी आत्माएं हैं और हम सबके पिता परमपिता परमेश्वर एक हैं, उनका ध्यान करना चाहिए। बीके प्रिया बहन ने मंच संचालन किया। बीके प्रीति बहन ने आभार व्यक्त किया।

खुशी जीवन का सबसे बड़ा खजाना है

शिव आमंत्रण, गंगटोक, सिक्किम।

सीएयू इंटर-कॉलेजिएट यूथ फेस्टिवल गेम्स एंड स्पोर्ट्स मीट का आयोजन कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर बरमियोक में किया गया। इसमें सीएयू इंफाल के कुलपति प्रो. अनुपम मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में 13 कॉलेजों के छात्रों ने भाग लिया।

प्रेरक वक्ता के रूप में पहुंचीं बीके सोनम दीदी ने खुशी और शांतिपूर्ण जीवन विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि खुशी जीवन का सबसे बड़ा खजाना है। जीवन में कुछ भी हो जाए लेकिन खुशी नहीं जाए। खुशी को सभी गहनें की तरह संभाल करें। छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढेंगे तो जीवन आनंदमय बन जाएगा। खुशी और शांति जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाती हैं। यदि शांति न हो तो हम जीवन का आनंद नहीं ले पाते हैं। यदि हम कोई कार्य खुश होकर करते हैं तो सफलता निश्चित है।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-
वार्षिक मूल्य 150 रुपए तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता
संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer
A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 6377090960
Scan To Pay

श्रेष्ठ संस्कारों से होता है श्रेष्ठ संस्कृति का निर्माण

कला एवं संस्कृति प्रभाग का राष्ट्रीय प्रशिक्षण ओआरसी में आयोजित

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम, हरियाणा।

श्रेष्ठ भावनाएं एवं विचारधारा मानवीय सभ्यता का आधार हैं। कला एवं संस्कृति के माध्यम से हम लोगों से जुड़ते हैं। ये सामाजिक एकता का सूत्र है।

उक्त विचार एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन तथा नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक-अध्यक्ष संदीप मारवाह ने व्यक्त किए। वह ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में कला एवं संस्कृति प्रभाग के राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कला एवं संस्कृति से प्रेम, शांति और सद्भावना के भाव जरूरी हैं। आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही ये संभव हो सकता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान में शत-प्रतिशत योगदान दे रही है। ब्रह्माकुमारीज के साथ मिलकर कला एवं संस्कृति को हम एक आदर्श स्वरूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज के आज का विचार कैलेंडर से अगर हम 365 दिन हर विचार जीवन में अपना लें तो जीवन सार्थक हो जाएगा।

संस्था के कला एवं संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी बीके चंद्रिका दीदी ने कहा कि श्रेष्ठ संस्कारों से ही श्रेष्ठ संस्कृति का निर्माण होता है। एक समय भारतीय संस्कृति अपने दिव्यता के चरम पर थी। ब्रह्माकुमारीज संस्था उन्हीं मूल्यों की स्थापना का कार्य कर रही है। कला एवं संस्कृति समाज की दिशा और दशा सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि कला एवं संस्कृति में बच्चों की बहुत बड़ी भूमिका हो सकती है। उनके जीवन में श्रेष्ठ संस्कारों के आधार पर कला एवं संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए तो आने वाली पीढ़ी सुसंस्कृत हो जाएगी। कला में हमारी दिव्य संस्कृति की झलक दिखनी चाहिए। हमें देवी-देवताओं संस्कृति का पुनरुत्थान करना है। प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके दयाल भाई, राष्ट्रीय संयोजिका बीके पूनम दीदी, मुख्यालय संयोजक बीके सतीश भाई ने भी विचार व्यक्त किए।

माता-पिता का आदर करना सिखाया

शिव आमंत्रण, बिलासपुर/मप्र।

आधारशिला विद्या मंदिर (सैनिक स्कूल) में ब्रह्माकुमारीज की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके मंजू दीदी ने कहा कि बच्चों की उम्र बढ़ती है तो उनके व्यवहार और भावनाओं में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। उन्हें भावनाओं को मैनेज करना सिखा दिया जाए तो भविष्य में वह ज्यादा मजबूत और व्यवहार कुशल बन जाते हैं। उन्होंने एक कहानी के माध्यम से माता-पिता का आदर करना सिखाया। बीके ईश्वरी बहन ने ध्यान कराया। बीके प्रीति बहन ने ब्रह्ममुहूर्त का महत्व और विचारों के प्रकार सकारात्मक, नकारात्मक, आवश्यक, अनावश्यक को संक्षिप्त में बताया। प्राचार्या मधुलिका बहन ने भी संबोधित किया।

दिन की शुरुआत सकारात्मकता से करें

शिव आमंत्रण, कोलकाता, पश्चिम बंगाल।

ब्रह्माकुमारीज कोलकाता संग्रहालय द्वारा नकारात्मक स्थितियों में सकारात्मकता विषय पर प्रेरक कार्यक्रम राष्ट्रीय एटलस और विषयगत मानचित्रण संगठन (एनएटीएमओ) में आयोजित किया गया। इसमें शांतिवन से आईं बीके सुप्रिया बहन ने बताया कि नकारात्मक विचार रखने से हम अच्छा जीवन जीने के बजाय बुरा जीवन बनाते हैं। सकारात्मक प्रतिज्ञा का अभ्यास सफलता से भरी सकारात्मक नियति बनाने में मदद करता है। ध्यान हमारी बैटरी (आत्मा) को चार्ज करता है। इसलिए बैटरी को सकारात्मक विचारों से भरें। एनएटीएमओ के निदेशक विनोद कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। बीके मुनीष ने राजयोग ध्यान का अभ्यास कराया।

खुशियों का पासवर्ड विषय पर कार्यशाला आयोजित

खुशी हमारी अपनी संपत्ति है : बीके प्रभा दीदी

शिव आमंत्रण, राजनंदगांव, छग

ब्रह्माकुमारीज द्वारा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवानों के लिए खुशियों का पासवर्ड विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बीके प्रभा दीदी ने कहा कि खुशी हमारी अपनी सम्पत्ति है और इस पर हमारा हक है, इसलिए कुछ भी हो जाए इसकी रक्षा करनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में कई प्रकार की परिस्थितियां आती हैं लेकिन ध्यान रहे कि यह हमारी खुशी को छीन कर न ले जाए। बातें आएंगी और जाएंगी लेकिन खुशी नहीं जानी चाहिए। सबके प्रति शुभ भावनाएं रखनी चाहिए और सबकी दुआएं देनी चाहिए। साथ ही सबके प्रति धन्यवाद का भाव रखना चाहिए। राजयोग के अभ्यास से सभी को शांति की अनुभूति कराई। उप महानिरीक्षक ओमप्रकाश यादव, बीके टोमीन बहन, बीके झालम भाई, सहायक सेनानी विजय कुमार ने भी उपरोक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, लंदन (यूके)। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में बाणेर (पुणे) की सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. त्रिवेणी दीदी और भारत में सर्वाधिक वर्ल्ड रिकार्ड बनाने वाले बीके डॉ. दीपक हरके को 24 प्रोमिनेंट पर्सनॉलिटी इन द वर्ल्ड-2024 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार लंदन ऑर्गनाइजेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट की निदेशिका मिसेस वर्ल्ड-2022 परीन सोमानी और ऑक्सफोर्ड के मेयर लुबाना अर्शद ने प्रदान किया।

शिव आमंत्रण, नरसिंहपुर (मप्र)। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर ब्रह्माकुमारीज दिव्य संस्कार भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लोगों की निःशुल्क बीपी, शुगर और स्वास्थ्य की जांच की गई। बीके प्रीति दीदी, बीके वंदना दीदी, डॉ. शुभ लक्ष्मी सिंघई, रानू बैरागी मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, जालंधर, पंजाब। रोटरी क्लब डिस्ट्रिक सम्मेलन में मुख्यालय शांतिवन की डॉ. सुनीता दीदी को आध्यात्मिक क्षेत्र में की गई उल्लेखनीय सेवाओं पर सम्मानित किया गया। इस दौरान रोटरी के पदाधिकारियों ने उन्हें शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

शिव आमंत्रण, भरतपुर, राजस्थान। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग की ओर से अध्यात्म के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राजयोगिनी कविता दीदी को अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्वेता यादव द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अर्चना पिप्पल, राजेश कुमार भी मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण,हरपालपुर (छतरपुर, मप्र)। सेवाकेंद्र पर शिव ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मानवेंद्र सिंह, पद्मश्री से सम्मानित अवध किशोर जडिया, आरएसएस शाखा प्रमुख महेंद्रपाल सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष अमित अग्रवाल, नौगांव से बीके नंदा दीदी मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

थ्रीडी कैड ट्रेनिंग: देशभर से हृदय रोगियों ने लिया भाग

व्यायाम, संतुलित भोजन का महत्व और राजयोग मेडिटेशन सिखाया जाता है

शिव आमंत्रण, आबू रोड । जैसा मन-वैसा तन- इस महावाक्य पर वर्षों तक शोध और रिसर्च कर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मेडिकल प्रभाग ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे डॉक्टर भी अचंभित हैं। इसे थ्री डायमेंशल हेल्थ केयर प्रोग्राम फॉर हेल्दी माइंड, हार्ट एवं बॉडी (कैड) प्रोग्राम नाम दिया गया। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मेडिकल विंग के तहत संचालित थ्रीडी कैड प्रोग्राम के दस दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम मनमोहिनीवन परिसर के ग्लोबल ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया।

ग्लोबल हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक डॉ. बीके प्रताप मिड्डा ने कहा कि आप सभी प्रशिक्षाणार्थी दस दिन तक ट्रेनिंग में बताई जा रहीं बातों को पूर्णतः पालन करेंगे तो पूरा जीवन स्वस्थ रहकर बिताया जा सकता है। ट्रेनिंग लेने के बाद एक नहीं बल्कि हजारों ऐसे लोग हैं जिनका जीवन पूरी तरह से बदल गया है। कैड प्रोजेक्ट के को-ऑर्डिनेटर व हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश गुप्ता ने बताया कि विभिन्न शोध में पाया गया है कि 95 फीसदी बीमारियों का कारण हमारा मन है। मेडिकल साइंस ने शरीर की बीमारियों का इलाज तो खोज लिया है लेकिन मन की बीमारियों का अभी तक कोई इलाज संभव नहीं हो पाया है। सिर्फ मेडिटेशन से ही मन के सभी प्रकार के रोगों का उपचार संभव है। सबसे मन में तनाव उत्पन्न होता है, जिससे शरीर में बीमारी आती है। मन की बीमारियों जैसे- जल्दबाजी, चिंता, गुस्सा, डर (डिप्रेशन), हाईपरटेंशन, जल्दी में रहना, असंतोष, नकारात्मक विचार से मन बीमार हो जाता है। जैसे मन में विचार होते हैं वैसा ही इनका शरीर पर प्रभाव पड़ता है। धीरे-धीरे यह शरीर में विकृति (बीमारी) का कारण बनते हैं। इन सभी मानसिक विकृतियों का मुख्य कारण गलत जीवनशैली है। आध्यात्मिकता में रिसर्च कर इस पद्धति का विकास किया है, जो हृदय एवं डायबिटीज के रोगियों के लिए वरदान साबित हुई है। इसका उद्देश्य हृदय रोगियों को बिना बायपास सर्जरी और ऑपरेशन के ठीक करना है।

लोगों को नशे के बताए दुष्परिणाम

शिव आमंत्रण, मोलगी, महाराष्ट्र।

आदिवासी क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा व्यसन मुक्ति और आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर बीके सरिता दीदी और बीके प्रताप भाई बिल्डर ने प्रदर्शनी द्वारा लोगों को व्यसन से मुक्ति का सहज उपाय समझाया। इस दौरान कई लोगों ने नशा छोड़ने का संकल्प लिया। बीके सरिता बहन ने आध्यात्मिक ज्ञान का महत्व बताया और नशा से होने वाले दुष्परिणाम से दूर रहकर स्वस्थ व स्वच्छ रहने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर साप्ताहिक कोर्स के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि संस्थान में राजयोग मेडिटेशन सीखकर अब तक हजारों लोग नशामुक्त हो चुके हैं। उनका जीवन पूरी तरह से बदल गया है।

विद्यार्थियों को बताया राजयोग का महत्व

शिव आमंत्रण, कंकड़बाग, बिहार।

ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल विंग द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशामुक्ति मोबाइल वैन द्वारा बिहार राज्य में लोगों को नशे के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मोबाइल वैन के कंकड़बाग पहुंचने पर स्थानीय सेवाकेन्द्र द्वारा विभिन्न स्थानों, विद्यालयों और रेलवे स्टेशन में अभियान के तहत दसकार्यक्रमों द्वारा 3130 लोगों को ईश्वरीय सन्देश और नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया गया। वहीं रविंद्र बालिका उच्च विद्यालय, राजेंद्र नगर में मोबाइल वैन के संयोजक बीके राजीव भाई ने 800 से अधिक छात्राओं और शिक्षकों को संबोधित करते हुए नैतिक मूल्य, राजयोग मेडिटेशन, आध्यात्मिक ज्ञान और नशे से दूर रहने के बारे में बताया।

नवरात्र उत्सवः जीवन में सकारात्मकता अपनाने का लिया संकल्प

शक्तियों का जागरण करना ही नवरात्रि मनाना है

शिव आमंत्रण, मंडी बामोरा, मप्र

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मंडी बामोरा सेवाकेंद्र पर रविवार को नवरात्रि और शिव जयंती उत्सव मनाया गया। शिव ध्वजारोहण कर जीवन में सकारात्मकता अपनाने और बुराइयां छोड़ने का संकल्प दिलाया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जानकी दीदी ने कहा कि रात्रि अर्थात् अज्ञान, अंधकार, कालिमा, बुराइयां, आसुरीयता। नवरात्रि के साथ जुड़े 'नव' शब्द का अर्थ है नवीनता, नया, नई शुरुआत, शुद्ध-पवित्र। अपने अंदर जो बुराइयां रूपी असुर और आसुरीयता घर कर गई है उसे नव संकल्प के साथ, नई शुरुआत के साथ जीवन में दिव्यता और पवित्रता का आह्वान करना। जगराता अर्थात् अपनी शक्तियों का जागरण करना। देवियों को आदि शक्ति, शिव शक्ति भी कहा जाता है। कालांतर में शक्तियों ने भी योगबल से शिव से शक्ति प्राप्त की थी, इसलिए इन्हें शिव शक्ति भी कहते हैं। बीके मधु बहन और बीके सरस्वती बहन ने भी विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, बैतूल, मप्र । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बैतूल आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ भाग्य विधाता भवन की संचालिका बीके मंजू बहन एवं सुनीता बहन ने तिलक लगाकर और पुष्प भेंट कर स्वागत किया। साथ ही उन्हें ईश्वरीय सौगात भी भेंट की। इस अवसर पर सांसद डीडी उइके, विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख आदि मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, कैथल, हरियाणा । राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीवन में विद्यार्थियों के लिए मोटिवेशनल शिविर आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू से पधारे बीके भगवान भाई, बीके राजेश भाई, बहादुर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

शिव आमंत्रण, रीवा, मप्र । कला और संस्कृति प्रभाग द्वारा विश्व रंग मंच दिवस पर सेवाकेंद्र पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगीतकार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डीएसपी सतीश कुमार मिश्रा, कमिश्नर रीवा के स्टेनो एसके शर्मा, संचालिका बीके निर्मला दीदी, बीके प्रकाश भाई मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, धिगावा मंडी, बहल (हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से गांव द्वारका के वार्षिक मसानी माता मेले प्रदर्शनी एवं झांकी लगाई गई। इसमें पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढी के पहुंचने पर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शकुंतला बहन और बीके पूनम बहन से सम्मानित किया।

शिव आमंत्रण, राजविराज, नेपाल । ब्रह्माकुमारी राजयोग सेवाकेन्द्र द्वारा लक्ष्मी नारायण संग्रहालय और परमात्म अनुभूति कक्ष का भूमिपूजन किया गया। इस मौके पर संचालिका बीके भगवती दीदी, मधेश प्रदेश के गृह, संचार और कानून मंत्री राज कुमार लेखी, बीके विद्या दीदी, नपा प्रमुख ललन गुप्ता, एसएसपी डिग विजय सुबेदी, डॉ. शैलेन्द्र कुमार गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

आप बहुत खास हैं... अपनी खूबियों को पहचानें

बी.के. शिवानी

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज की टीवी आइकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

दिल के अनुभव से रिकॉर्ड करें खुशी के क्षण

आज फोन सभी अपने पास रखते हैं। क्या फोटो की जरुरत नहीं होती। क्यों जरुरत नहीं होती, फोटो का क्या करेंगे? रिकॉर्डिंग का क्या करेंगे? कुछ भी यूज नहीं होगा। आजकल हमें आदत पड़ी है कुछ भी होता है हम फोटो निकालना शुरु कर देते हैं। घर में कोई दृश्य हो रहा हो। फोन निकाला फोटो-फोटो... क्योंकि आजकल कैमरा हमारे फोन में है। फोटो खींचने से क्या होगा? वो क्षण बीत जाएगा और उस क्षण को अनुभव करने की बजाय हम सिर्फ फोटो खींचने में लगे रहेंगे। फिर फोटो खींचकर क्या करेंगे उसका? बाद में हम उस क्षण की फोटो को देखेंगे। आपस में शेयर करेंगे। जो फोटो सही लगता उसे फिट करते हैं और फिर उस फोटो को फेसबुक और सोशल मीडिया में डालेंगे। ताकि दूसरे लोग भी मेरे जीवन के उस क्षण को देखें। उस पल को अधिक से अधिक लोग लाइक भी करें। मैंने उस फोटो के क्षण को अनुभव नहीं किया। लेकिन दूसरे मेरे उस फोटो के क्षण को लाइक करें, यह उ मीद करते हैं। अगर दूसरों ने मेरे फोटो को लाइक नहीं किया तो मैं उनको भी लाइक नहीं करती। फिर ये सारा दोष उस फोटो का है? जीवन का हर क्षण एनर्जी और वाइब्रेशन को महसूस करने के लिए है। फोटो में वो दृश्य आ सकता है फीलिंग नहीं आ सकती है। वो वाइब्रेशन नहीं आ सकती है। वो पल यहां दिमाग में फिट करना, वो फोन में नहीं फिट करना। अगर अभी यहां दिमाग में फिट नहीं हुआ तो बाद में नहीं होगा।

जीवन प्रबंधन

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

खुद के बारे में चिंतन करें, चैकिंग करें अपने आप की। मेरी नेचर क्या है? अपने स्वभाव को चेक करें। अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग लोगों के साथ मेरा व्यवहार कैसा होता है। परिस्थिति अगर मेरे अनुसार नहीं होती तो मेरा रिएक्शन कैसा होता है? कोई मेरा कहना नहीं मानता, कार्य मेरे अनुसार नहीं करता तो मेरा व्यवहार कैसा होता है? कोई मेरे साथ गलत करता है मेरे लिए बुरा कहता है तो मुझे कैसा लगता है? किसी को क्षमा करना किसी की बात को भूल जाना मेरे लिए कितना आसान है? आज अगर मुझे अपने अंदर कोई एक चीज परिवर्तन करना हो यानी कोई एक आदत बदलनी हो तो वह क्या होगी? हम कितने खास हैं कैसे समझें?

दूसरों को दोष न देकर, खुद को बदलें

आपने पहले खुद की चैकिंग की है? देखा जाए तो सारा दिन हम दूसरों की चैकिंग करते हैं। कितनी बार खुद के जीवन में कभी बैठ कर अपनी चैकिंग की? अगर किसी ने हमें कहा भी आपको ऐसा नहीं कहना था। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था। क्या मुझे उन्हें ऐसा कहना चाहिए था? अब शादी ही ऐसे लोगों से हुई क्या करें? 10-20-30 साल से उनके साथ रह रहें हैं तो साथ रहते-रहते चिड़चिड़े हो ही जाना था और क्या होना था? लेकिन अब ऐसे सोचना कि अब उनके साथ रहते हुए भी हम कुछ और हो सकते हैं। आज इसे पढ़ने के बाद उनके साथ-साथ ही चलेंगे। मान लिया कि आपके आसपास लोग गलत प्रकार का भोजन खा रहे हैं। आपको पता लग गया ये सब गलत भोजन है लेकिन 25-30 साल पहले आप भी वही खाना खा रहे थे। अब एक दिन जागृति आई कि मुझे ये सब भोजन नहीं चाहिए। क्योंकि मेरा शारीरिक-मानसिक रिजल्ट ठीक नहीं रहा तो मुझे आज से हेल्थ चाहिए। तो हमने निर्णय ले लिया मुझे नहीं खाना। तो आसपास के लोग थोड़ी ही खाना बंद कर देंगे? क्योंकि उन्होंने निर्णय नहीं लिया है। निर्णय किसने लिया है? हमने लिया है। इसलिए हम केवल खुद को बदल सकते हैं, दूसरे हमें देखकर बदलते हैं।

खुशी के क्षण को अनुभूति करने पर मिलेगी खुशी

जितना हम टेक्नोलॉजी में फंसते जाते हैं उतना ही हम अपनी सारी एनर्जी दूसरी चीजों पर बहाते जा रहे हैं। न ही खुद की और न ही दूसरों की एनर्जी को महसूस कर रहे हैं। हम सिर्फ क म्प्यूटर और फोन के साथ बंधे हैं। इसलिए हमारी एनर्जी अंदर ही अंदर घटती जा रही है। इसलिए आज से एक पक्का आदत डालते हैं। सिर्फ जब बहुत जरुरी हो तभी कैमरा से फोटो खींचेंगे। नहीं तो यहां ब्रेन में फोटो खींचेंगे। क्योंकि यहां दिमाग में जो फोटो खींचती है, वह दृश्य की फोटो नहीं खींचती है। दृश्य के अनुभव की खींचती है। दोनों चीजों में बहुत फर्क है। आपके घर में एक छोटा बच्चा है वह आज पहली बार चलना शुरु करता है तो हम फटाफट उसकी फोटो खींचने लगते हैं। तो फोटो में तो सिर्फ यही दिखेगा ना कि वह चल रहा है। उसमें कौन-सी बड़ी बात है। लेकिन एंजॉय क्या करना था? उस मूमेंट को, उसकी खुशी को, अपनी खुशी को। लेकिन वो सब छोड़कर भागते हैं कैमरा की तरफ मोबाइल की तरफ। जल्दी लाओ, फोटो खींचने हैं। अगर वो बच्चा बैठ गया उतनी देर में तो फिर उसको डांटेंगे, उठ-उठ फिर से चल। जीवन की जो नेचुरल फीलिंग, जो विश्वसनीय फीलिंग है वो धीरे-धीरे खत्म होती गई। ये जो छोटी-छोटी चीजें हैं। जहां हम खुशी क्रियेट कर सकते थे। औरों को खुशी बांट सकते थे। औरों की खुशी को फील कर सकते थे, उसको मिस किया। फिर कहा जीवन में खुशी नहीं है। कभी भी खुशी फोटो या रिकॉर्डिंग देख-सुनकर नहीं आ सकती। जो उस खुशी के क्षण को अनुभूति करने में आ सकती थी।

अपनी लाइफ को करें एंजॉय

आज एक संस्कार पक्का करें। आज हम अपने फोन को फोन के लिए यूज करेंगे। कैमरा के लिए नहीं। जब कोई ऐसे मौके पर जहां फोटो खींचनी होती है तो वहां फोटोग्राफर होता ही है। हम सबको फोटोग्राफर बनने की क्या जरुरत है? जिसका वो रोल वह रोल प्ले करे। हम लोग अपने लाइफ को इंजॉय महसूस करें। सिर्फ कैप्चर नहीं करते रहेंगे। हमें लगता है इन चीजों को कैप्चर करके हमेशा के लिए अपना बना लेंगे? सबकुछ कैप्चर करने के चक्कर में एक-एक दिन बीतता जा रहा है। जो महसूस करने की प्रक्रिया थी वो धीरे-धीरे कम होती जा रही है। आजकल लोग फेसबुक पर हर चीज की फोटो डालते हैं। हम ये खा रहे हैं, हम यहां मार्केट में खड़े हैं। फोटो निकाला हो गया एंजॉय?

हमें इसी दुनिया को सतयुग बनाना है

हमें इसी धरा को ही सतयुग बनाना है। अगर हमें सतयुग बनाना है तो कलियुग के लोगों से बिल्कुल डिफरेंट होना पड़ेगा। जो कर्म सब कर रहे हैं हमें उसे डिफरेंट अलग, यूनिक और महान कर्म करना पड़ेंगे। जीवन को आदर्श, मूल्यवान और प्रेरक बनाना होगा। हम उस सतयुगी दृश्य को बनाएंगे। वो लोग उस दृश्य का फोटो खींचकर खुशी मनाएंगे। अब हमारा तो रोल चैंज हो गया। दो बातें हैं- एक है सतयुग में जाना और दूसरा है सतयुग हमें बनाना है।

कोई भी कर्म के पहले चेक करें रिजल्ट

जो सब लोग कर रहें वो नहीं करेंगे। क्योंकि इस समय जो डायरेक्शन ऑफ एनर्जी है वो एक अलग डायरेक्शन में है। अभी बहुत फास्ट स्पीड पर भी है। डायरेक्शन भी डिस्चार्ज की तरफ है और स्पीड भी बहुत फास्ट है। अगर उसका नकल किया तो निश्चत है अपनी स्पीड और बैटरी दोनों फास्ट डिस्चार्ज होने वाली है। तो दूसरे जो कर रहें हैं उसको नकल करने से पहले एक क्षण रुकना है। चेक करना इस कर्म का रिजल्ट क्या होने वाला है? अगर वो मेरे फायदे में है तो करना, नहीं तो नहीं करना, छोड़ देना। सब कर रहें हो तो उनको करने दो। वो सब लोग जो कर रहें हैं वो कलियुग को बढ़ा रहे हैं।

हांगकांगः अमरनाथ दर्शन की झांकी सजाई

शिव आमंत्रण, हांगकांग (चीन)

ब्रह्माकुमारीज़ के कॉव्लून सेवाकेंद्र द्वारा तीन दिवसीय 88वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव मनाया गया। इस दौरान सभी बीके भाई-बहनों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। परमपिता शिव परमात्मा को भाग लगाया गया और अमरनाथ दर्शन की झांकी सजाई गई। शिव ध्वजारोहण कर सभी को शिव ध्वज के नीचे संकल्प कराया गया। इसके अलावा सात दिवसीय राजयोग मेडिटेशन पाठ्यक्रम की चित्र प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें लोगों को शिव बाबा के गुण, आत्मा, परमात्मा, चक्र, कल्पवृक्ष के बारे में समझाया गया। लोगों को राजयोग ध्यान के माध्यम से शांति और प्रेम का अनुभव कराने के लिए एक ध्यान कॉर्नर स्थापित किया गया। कार्निवल का रूप देने के लिए स्प्रीचुअल गेम्स काउंटर का भी बनाया गया।

बीके कुसुम दीदी नारी पुरस्कार से सम्मानित

शिव आमंत्रण, सिलिकॉन वैली, मिलपिटास (यूएसए)। एसोसिएशन ऑफ इंडो अमेरिकन्स और सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भारतीय महावाणिज्य दूत की धर्मपत्नी प्रथिमा रेड्डी ने ब्रह्माकुमारी कुसुम दीदी का नारी पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्हें यह सम्मान आध्यात्मिक सशक्तिकरण, सामाजिक बदलाव में सकारात्मक परिवर्तन, प्रेरक नेतृत्व और राजयोग मेडिटेशन के प्रचार-प्रसार करने पर दिया गया। इसके अलावा सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं कर रहीं अन्य महिलाओं का भी सम्मान किया गया।

इस मौके पर सांता क्लारा काउंटी पर्यवेक्षक सुसान एलेनबर्ग, एएपीआईओ के अध्यक्ष, एफएसीसी के एमडी डॉ. अंजली गुलाटी सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

सेल्फ मैनेजमेंट के टिप्स बताए

शिव आमंत्रण, पानीपत, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर द्वारा थर्मल पावर प्लांट में इंजीनियर्स के लिए सेल्फ मैनेजमेंट वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें लैटिन अमेरिका से आए ब्रह्माकुमारीज़ के समन्वयक बीके केन, ब्राजील की राष्ट्रीय समन्वयक बीके लुसियाना, दिल्ली ओआरसी से बीके हुसैन बहन ने उपरोक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। इसके अलावा पानीपत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में भी वर्कशॉप आयोजित की गई। इसमें 200 से अधिक इंजीनियर्स ने भाग लिया। पानीपत रिफाइनरी और गीता यूनिवर्सिटी इसराना में भी सेमिनार का आयोजन किया गया। माउंट आबू से आईं बीके गुड्डी बहन ने साइलेंस रिट्रीट में अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर फ्रांस के लोरंट भाई, नीदरलैंड के बीके तन्नू भाई और ज्ञान मान सरोवर के निदेशक बीके भारत भूषण विशेष रूप से मौजूद रहे।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 April. 2024
» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संपादकः ब्र.कु. कोमल » संयुक्त संपादकः ब्र.कु. पुष्पेन्द्र